राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 02 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–282 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोई समझदार महिला दो साल धोखा नहीं खाएगी, यौन उत्पीड़न केस में क्यों बोला HC

नई दिल्ली। शादी का झूठा वादा कर बलात्कार के मामले में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। उच्च न्यायालय का कहना है कि कोई भी समझदार महिला इस सिर्फ इस वादे के आधार पर किसी पुरुष के साथ नहीं घूमेगी कि वह शादी करेगा। जबकि, उसे यह पता था कि दोनों के विवाह की संभावनाएं बहुत ही कम हैं। कोर्ट ने इस मामले में कार्यवाही को रद्द कर दिया। जस्टिस के श्रीनिवास रेड्डी मामले की सुनवाई कर रहे थे। कोर्ट ने कहा, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि दोनों की शादी के आसार बहुत ही कम हैं, कोई भी

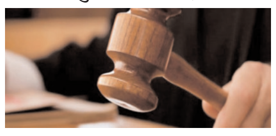

समझदार महिला सहमति नहीं देगी। कोई भी शांत नहीं रहेगा, बल्कि एक रेखा खींचेगा कि आरोपी की तरफ से किया गया शादी का वादा शुरुआत से ही झूठा है या नहीं। खासतौर से तब जब आरोपी शादी से बचता रहा है। अदालत का कहना था, कोई भी समझदार महिला सिर्फ शादी के वादे के आधार पर किसी व्यक्ति के साथ 2 सालों तक नहीं घूमेगी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, कोर्ट ने पाया है कि शिकायतकर्ता एक उच्च शिक्षित महिला है, जो गलतफहमी और उसके परिणामों के बारे में जानती हैं। कोर्ट ने पाया कि स्नढ्ढक्रसे भी खुलासा हुआ है कि शिकायतकर्ता जानती थी कि दोनों के बीच विवाह संभव नहीं है, क्योंकि दोनों अलग जाति के थे। कोर्ट का ध्यान इस तथ्य की ओर भी गया कि शिकायतकर्ता आरोपी के साथ एकांत जगहों से लेकर होटल के कमरों तक गई थी। कोर्ट ने कहा कि आमतौर पर ऐसा तब होता है जब जोड़ा एक दूसरे के प्यार में पागल हों और चिंता न करें कि आगे क्या होगा। अदालत का कहना है कि इस निष्कर्ष तक पहुंचना बहुत मुश्किल होगा कि आरोपी की तरफ से किए गए वादे को लेकर शिकायतर्ता भ्रम में रहीं। उन्होंने इस आधार पर ही सहमति दे दी। कोर्ट ने कहा कि यह पता करना असंभव है कि जब शिकायतकर्ता ने सहमति दी, तब उनके दिमाग में क्या चल रहा था। उन्होंने कहा कि क्योंकि सहमति देने की कई वजहें हो सकती हैं। अदालत ने आरोपी के खिलाफ दर्ज बलात्कार के आरोपों को रद्द कर दिया और उसपर लगे अन्य आरोपों की जांच के लिए पुलिस को अनुमति दी।

भारत बंगलादेश के प्रधानमंत्रियों ने किया विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

इस परियोजना में मंगला बंदरगाह और खुलना में मौजूदा रेल नेटवर्क के बीच लगभग 65 किलोमीटर ब्रॉडगेज रेल मार्ग का निर्माण शामिल है।

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बुधवार को भारत की सहायता से तैयार तीन विकास परियोजनाओं- अखौरा-अगरतला सीमा पार रेल सम्पर्क, खुलना-मंगला बंदरगाह रेल लाइन और मैत्री सुपर ताप विद्युत संयंत्र की दूसरी इकाई का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया ।

दोनों नेताओं ने आज पूर्वाह्न 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन तीन परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। ये परियोजनाएं क्षेत्र में कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेंगी।

अखौरा-अगरतला सीमा पार रेल सम्पर्क परियोजना भारत सरकार द्वारा बंगलादेश को दी गई 392.52 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता के तहत तैयार की गई है। बंगलादेश में 6.78 किलोमीटर लंबी दोहरी गेज रेल लाइन और त्रिपुरा में 5.46 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के साथ रेल सम्पर्क की कुल लंबाई 12.24 किलोमीटर है। खुलना-मंगला बंदरगाह रेल लाइन परियोजना भारत सरकार की रियायती ऋष्ा सुविधा के तहत 38.892 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लागत से तैयार की गई है। इस परियोजना में मंगला बंदरगाह और खुलना में मौजूदा रेल नेटवर्क के बीच लगभग 65 किलोमीटर ब्रॉडगेज रेल मार्ग का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही बंगलादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह, मंगला, ब्रॉडगेज रेलवे नेटवर्क से जुड़ गया है। इसी तरह से 1.6 अरब अमरीकी डालर के भारतीय रियायती वित्तपोषण योजना ऋष्ा के अंतर्गत मैत्री सुपर ताप विद्युत परियोजना, बंगलादेश के खुलना डिवीजन के रामपाल स्थित 1320 मेगावाट (2गुणा660) का सुपर ताप विद्युत संयंत्र (एमएसटीपीपी) लगाया गया है। यह परियोजना बंगलादेश-भारत मैत्री पावर कंपनी (प्राइवेट) लिमिटेड (बीआईएफपीसीएल) द्वारा कार्यान्वित की गई है, जो भारत की एनटीपीसी लिमिटेड और बंगलादेश विद्युत विकास बोर्ड (बीपीडीबी) के बीच 50-50 की संयुक्त उद्यम कंपनी है। मैत्री सुपर ताप विद्युत संयंत्र की इकाई-1 का सितम्बर 2022 में दोनों प्रधानमंत्रियों द्वारा संयुक्त रूप से अनावरण किया गया था और इकाई-2 का उद्घाटन आज किया गया। मैत्री सुपर थर्मल बिजली संयंत्र के संचालन से बंगलादेश में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी।

अखौरा-अगरतला सीमा पार रेल सम्पर्क परियोजना भारत सरकार द्वारा बंगलादेश को दी गई 392.52 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता के तहत तैयार की गई है। बंगलादेश में 6.78 किलोमीटर लंबी दोहरी गेज रेल लाइन और त्रिपुरा में 5.46 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के साथ रेल सम्पर्क की कुल लंबाई 12.24 किलोमीटर है। खुलना-मंगला बंदरगाह रेल लाइन परियोजना भारत सरकार की रियायती ऋण सुविधा के तहत 38.892 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लागत से तैयार की गई है।

नीतीश-तेजस्वी से बोले रामभद्राचार्य- जाति पर वोट नहीं मिलेगा; जो राम-कृष्ण की बात करेगा, वही राज करेगा

पश्चिम चंपारण। चित्रकूट के तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के जाति गणना के फैसले का विरोध किया है। उन्होंने दोनों को नसीहत देते हुए कहा कि जाति के आधार पर वोट नहीं मिलने वाला है। जो राम और कृष्ण की बात करेगा वही राज करेगा। उन्होंने नीतीश और तेजस्वी पर हिंदुओं को बांटने का आरोप भी लगाया। स्वामी रामभद्राचार्य ने पश्चिम चंपारण के बगहा में रामकथा के दौरान ये बातें कहीं। रामनगर के अर्जुन विक्रम शाह स्टेडियम में स्वामी रामभद्राचार्य की रामकथा की शुरुआत मंगलवार को हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक अपने प्रवचन में स्वामी ने जाति गणना को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की जातिगत जनगणना की नीति हिंदुओं में भेद डालने की है। इन लोगों को कौन समझाए कि हिंदुओं को जाति के आधार पर नहीं बांटना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश को जाति के आधार पर बांटने की नीति कभी सफल नहीं होगी। जाति के आधार पर वोट नहीं मिलेगा। अब तो काम करने वाले को ही वोट मिलेगा। स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि जो राम-कृष्ण की बात करेगा वही भारत पर राज करेगा। चुनावी माहौल में स्वामी रामभद्राचार्य का यह बयान अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

स्वामी रामभद्राचार्य ने अपने प्रवचन में यह भी कहा कि भगवान श्रीराम हमारे आदर्श हैं। हजारों साल पहले उन्होंने समाज में जो आदर्श स्थापित किया वह आज भी लोगों के लिए अनुकरणीय है। जब धर्म पर संकट आता है तो भगवान अवतार लेते हैं। उन्होंने रामचरित मानस और वेदों का जिक्र करते हुए कहा कि वेद कहीं भी कभी भी सनातन हिंदू धर्म में भेद नहीं करता है। इसमें सभी एक समान हैं।

दिल्ली में धार्मिक स्थलों के पास नहीं बिकेगा मांस, मंदिर-मस्जिद से 150 मीटर दूर खुलेंगी मीट शॉप

नई दिल्ली। दिल्ली में धार्मिक स्थलों के आसपास मांस बेचने पर प्रतिबंध लग गया है। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और श्मशान घाटों के 150 मीटर के दायरे मीट की दुकानें नहीं खुलेंगी। दिल्ली नगर निगम के सदन ने मंगलवार (31 अक्टूबर) को 54 प्रस्तावों को मंजूरी दी, जिसमें मीट शॉप लाइसेंस पॉलिसी भी शामिल है। नई पॉलिसी के तहत किसी भी धार्मिक स्थल और मांस की दुकान के बीच न्यूनतम 150 मीटर की दूरी होगी। मस्जिद समिति या इमाम से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेकर मस्जिद के पास मांस की बिक्री की जा सकेगी। हालांकि, मस्जिद के 150 मीटर के दायरे में पोर्क बेचने पर सख्त पाबंदी लगाई गई है। वेटनरी सर्विसेज डिपार्टमेंट की तरफ से

नोटिफिकेशन जारी होने के बाद नई मीट शॉप लाइसेंस पॉलिसी लागू हो जाएगी। स्ब्ष्ठ ने कहा कि लोगों की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखने हुए ये फैसला लिया गया है।

इस पॉलिसी में मीट की छोटी दुकानों से लेकर प्रोसेसिंग यूनिट, पैकेजिंग या स्टोरेज प्लांट के लिए लाइसेंस देने और रिन्यूअल को लेकर नए नियम बनाए गए हैं। इसके मुताबिक, दिल्ली के पूर्ववर्ती उत्तर, दक्षिण और पूर्वी निगमों में मांस बेचने का लाइसेंस और रिन्यूअल की फीस दुकानों के लिए 18,000 रुपए और प्रोसेसिंग यूनिट्स के लिए डेढ़ लाख रुपए तय की गई है।

लाइसेंस जारी होने के बाद हर तीन साल पर रिन्यूअल फीस और जुर्माने में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी।

मीट व्यापारियों ने नई लाइसेंस पॉलिसी का विरोध किया

MCD की नई लाइसेंस पॉलिसी का मीट व्यापारियों ने विरोध किया है। दिल्ली मीट मर्चेंट एसोसिएशन ने कहा कि अवैध मीट दुकानों के लाइसेंस रिन्यूअल के लिए पहले 2,700 रुपए का भुगतान करना होता था।

इसे बढ़ाकर अब 7,000 रुपए कर दिया गया है। दुकानदारों के लिए इतना भुगतान करना मुश्किल है। अगर MCD ने लाइसेंस पॉलिसी वापस नहीं लिया तो वे इसके खिलाफ कोर्ट जाएंगे।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर शिवराज ने दी प्रदेश को शुभकामनाएं

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज राज्य के स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

श्री चौहान ने एक्स पर पोस्ट किया, कभी हम बीमारू थे, लेकिन आज सुचारू हैं। ये यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहेगी और वह समय दूर नहीं जब मध्यप्रदेश हर क्षेत्र में देश का नम्बर 1 राज्य होगा। आइए हम सब मिलकर समृद्ध, विकसित और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाएं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर आज राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम, राष्ट्र-गान 'जन गण मन' एवं मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन 11 बजे मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में होगा। इस अवसर पर संस्कृति विभाग की टीम द्वारा देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति भी दी जायेगी । इसमें मंत्रालय, सतपुड़ा एवं विंध्याचल भवन के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं विभागाध्यक्षों को उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं।

विधानसभा चुनाव में चित्तौड़गढ़ सीट बनती जा रही है सबसे हॉट सीट

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी के गृह क्षेत्र चित्तौड़गढ़ सीट मौजूद विधायक चन्द्रभान सिंह आक्या के उनका टिकट कटने के बाद बागी तेवर अपनाने, उनके समर्थन में लोगों का हुजूम उमड़ने एवं उनके पक्ष में लोगों का समर्थन मिलते जाने से सबसे हॉट सीट बनती जा रही है। हालांकि अभी चित्तौड़गढ़ से कांग्रेस ने अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है लेकिन भाजपा ने जिस दिन श्री आक्या का टिकट काट कभी इनके गुरू रहे और दो बार चित्तौड़गढ़ से विधायक रह चुके वर्तमान में जयपुर के विद्याधरनगर से विधायक नरपत सिंह राजवी को उम्मीदवार घोषित करने के दिन ही श्री आक्या ने खुली बगावत कर दी और उनके समर्थन में कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का जनसैलाब उमड़ पड़ा और श्री आक्या ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। उधर भाजपा नेताओं ने भी स्पष्ट कर दिया कि टिकट में कोई बदलाव नहीं किया जायेगा। अब भाजपा कार्यकर्ताओं, कई वर्गों सहित लोगों के श्री आक्या के समर्थन में दिखाई देने के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के गृह क्षेत्र में ही पार्टी विधायक के तीखे बागी तेवरों से इस सीट पर प्रदेश के लोगों की नजरें टिक गई है। चित्तौड़गढ़ में आम मतदाता, साधु संतों के अलावा क्षत्रिय समाज, विधानसभा क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता श्री आक्या के साथ हो चुके हैं और पार्टी पर टिकट बदलने का भारी दबाव बना हुआ है। आक्या ने अपने दो दशक के राजनीतिक जीवन में क्षेत्र में अपनी इतनी पकड़ मजबूत कर ली कि आज पार्टी के खिलाफ बागी तेवर अपनाने के बावजूद लोग उनके साथ खड़े नजर आ रहे हैं जबकि वरिष्ठ नेता श्रीचंद्र कृपलानी और श्री राजवी यहां पर मंत्री सहित सत्ता के कई पदों पर रह चुके । श्री राजवी जब यहां से दूसरी बार विधायक थे तब श्री आक्या भदेसर मंडल अध्यक्ष बने, इसके बाद उन्होंने पहली बार 2005 के पंचायत चुनावों में कांग्रेस के वर्चस्व को तोड़ भदेसर पंचायत समिति में बहुमत दिलवाया। उप प्रधान के चुनावों में यह श्री जोशी से तब मात खा गये जब जोशी कांग्रेस के एक सदस्य के समर्थन से उप प्रधान बन गये। आक्या ने बाद में फिर 2010 के पंचायत चुनावों में कांग्रेस के एक सदस्य को तोड़कर भाजपा को काबिज कराया, इसके बाद उन्होंने अपनी विधायक बनने की महत्वकांक्षा के चलते अपने दम पर पचास वर्षों से चित्तौड़गढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक की चित्तौड़गढ़ प्रतापगढ़ में मौजूद तीन सौ से अधिक समितियों में कांग्रेस के वर्चस्व को समाप्त कर भाजपा से जुड़े अपने समर्थकों को अधयक्ष बनवा खुद बैंक अध्यक्ष बन गये जिस पर आज भी इन्हीं का कब्जा है।

पंजाब में फिर गैंगवार, हमलावरों ने बीच सड़क पर गैंगस्टर गुरप्रीत सिंह लाडी को भूना

चंडीगढ़। पंजाब में फिर गैंगवार की घटना हुई है। फिरोजपुर में मंगलवार देर शाम को कुख्यात गैंगस्टर गुरप्रीत सिंह उर्फ लाडी उर्फ खिलाड़ी की सरेआम हत्या कर दी गई। फिरोजपुर में भट्टियां वाली बस्ती के पास सड़क पर दो गुटों के बीच हुई गैंगवार में उसे गोलियां मार दी गईं। शेर खान गांव के रहने वाले गुरप्रीत की मौके पर ही मौत हो गई। वह कई मामलों में पुलिस को वांछित था।

पांच राऊंड फायर किए, सिर में गोली लगने से हुई मौत

गैंगस्टर गुरप्रीत पर मंगलवार शाम बाइक सवारों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। पुलिस के मुताबिक, बीच बाजार उस पर गोलियां चलाई गई और पांच राउंड फायर किए गए। सिर में गोली लगने से उसकी मौत हो गई। लाडी शूटर शिशु गैंग का सदस्य था, जिन्होंने हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में अप्रैल 2022 को गोलीबारी की वारदात को अंजाम दिया था।

गैंगस्टर गुरप्रीत सिंह लाडी के खिलाफ कपूरथला सहित पंजाब के कई अलग-अलग थानों में मामले दर्ज हैं। गुरप्रीत पर हत्या, किडनैपिंग, फिरौती मांगने और हत्या प्रयास जैसे कई मुकदमे

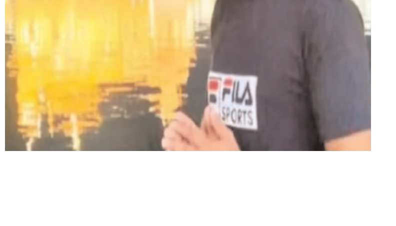

दर्ज हैं। घटना की जानकारी लगते ही डीएसपी सुरेंद्र कुमार सहित थाना सिटी प्रभारी जितेंद्र सिंह और थाना सदर प्रभारी अभिनव चौहान मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास की स्थिति का जायजा लेने के बाद शव को सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

मामा की 16 साल की बेटी पर आया दिल तो गन प्वाइंट पर उठाया–कुख्यात गैंगस्टर लाडी का साल 2020 में अपने सगे मामा की 16 साल की बेटी पर दिल आ गया था और उसने उसे घर से गन प्वाइंट पर उठा लिया था। दरअसल, लाडी पांच महीने होशियारपुर जेल में बंद था और जेल से छूटने के बाद अलग-अलग जगह ठिकाने बदलकर रहने लगा। फिर वह मामा के घर रहने लगा और उसकी बेटी पर बुरी नीयत रखने लगा। जब इस बात का लड़की के पिता को पता चला तो उसने गुरप्रीत को समझाया कि उसकी बेटी अभी 16 साल की है। वैसे भी सगी रिश्तेदारी के हिसाब से यह तेरी बहन लगती है। रिश्ता नहीं हो सकता। इस पर वह उसके साथ रंजिश रखने लगा और शादी के लिए दबाव बनाने लगा। एक दिन वह अपने चार-पांच साथियों के साथ आया और घर पर फायर कर लड़की को जबरन उठा ले गया।

मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया था कुख्यात गैंगस्टर सुभाष–एक दिन पहले फिरोजपुर शहर में ही पुलिस-बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान करीब 20 मिनट दोनों तरफ से फायरिंग हुई। मुठभेड़ के दौरान हत्या के आरोप में फरार चल रहे कुख्यात गैंगस्टर सुभाष को गोली लगी। इसके बाद उसे और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया गया। गैंगस्टर सुभाष उर्फ बाशी पुलिस को कई मामलों में वांछित था। उस पर हत्या व हत्या के प्रयास के कई मामले दर्ज हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

प्रदूषण से पस्त

देश की राजधानी दिल्ली की दिन-ब-दिन बिगड़ती वायु-गुणवत्ता पर सुप्रीम कोर्ट की दखल न सिर्फ वाजिब है, बल्कि इस महानगर के बाशिंदों के लिए आश्वस्तकारी भी है कि अब इस दिशा में कोई त्वरित व माकूल कार्रवाई हो सकेगी। इन दिनों वायु प्रदूषण के कारण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जीने वालों, खासकर सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों की जिंदगी दुश्वार हो गई है। गौर कीजिए, विशेषज्ञ शून्य से 50 अंकों तक वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को अच्छा और 100 अंक तक संतोषजनक बताते हैं, मगर पिछले कई दिनों से दिल्ली और नोएडा में एक्यूआई 300 से भी अधिक दर्ज किया जा रहा है। आने वाले कुछ और दिनों तक ऐसी ही स्थिति की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में, राजधानी के वायु प्रदूषण से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही दिल्ली और इसके पड़ोसी राज्यों से पूछा है कि आखिर प्रदूषण कम करने के लिए उन्होंने कौन-कौन से कदम उठाए हैं? अदालत ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से एक हफ्ते में जवाब मांगा है। वायु प्रदूषण एक ऐसी समस्या है, जिससे कमोबेश सभी जीव प्रभावित हैं। इंसानों के बीच भी यह अमीरी-गरीबी या मजहब-जाति के आधार पर किसी के साथ कोई मुरव्वत नहीं बरतता, फिर भी सरकारी पहल से नागरिक जागरूकता तक इसे लेकर एक अजीब सी उदासीनता दिखती है। मगर इसकी मार हाशिये के लोगों पर अधिक पड़ती है, क्योंकि न तो वे 'एयर प्यूरीफायर' जैसे आधुनिक महंगे उपायों की मदद ले सकते हैं और न ही बीमार पड़ने की हालत में जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं तक उनकी आसान पहुंच है। ऐसे में, एक लोक-कल्याणकारी राज्य का यह प्राथमिक दायित्व बनता है कि वह हाशिये के लोगों का ख्याल करे। जाहिर है, सर्वोच्च न्यायालय इसी कसौटी पर इन राज्यों की पहल को परखेगा। मौजूदा वायु प्रदूषण के बारे में कहा जा रहा है कि हवा की धीमी रफ्तार और अधिक नमी की वजह से यह स्थिति बनी है। मगर इस मौसम में तो हर साल यह स्थिति पैदा होती है और इस तथ्य से प्रशासन व नागरिक, दोनों अब वाकिफ हैं, फिर भी यह समस्या लगातार बनी हुई है, तो यह सोचने की बात है। हमारे पास इस बात के ठोस साक्ष्य मौजूद हैं कि दुनिया के कई देशों ने शासकीय पहल और नागरिक सहयोग से न सिर्फ अपने महानगरों की वायु गुणवत्ता को ठीक किया है, बल्कि कई देशों ने तो दूषित नदियों को निर्मल करने में सफलता हासिल की है। हम अब तक पराली जलाने व निर्माण-कार्यों पर खास अवधि में अपेक्षित रोक का तंत्र नहीं विकसित कर सके हैं। निस्संदेह, विकास परियोजनाएं जरूरी हैं, मगर जब पता है कि हमारे कई शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में गिने जा रहे हैं, तब भी क्या इस मोर्चे पर गंभीर पहल के लिए अदालती दखल की बाट जोहनी चाहिए? दिल्ली को पिछले साल देश में सबसे प्रदूषित शहर आंका गया था? इस लिहाज से अनुमान लगाइए कि यदि पटाखों पर रोक न लगी होती, तो दिवाली व उसके बाद के दिनों में दिल्ली की आबोहवा कैसी रहती? राज्य सरकारें निश्चित तौर सुप्रीम कोर्ट में अपने-अपने तर्कों व बहानों के साथ हलफनामे दायर करेंगी, मगर यह मुद्दा दोषारोपण या बचाव का नहीं सामूहिक प्रयास का है। पांच-छह राज्यों की कोशिशें एक घनी आबादी वाले महानगर को चैन की सांस दे सकती हैं, तो उन्हें यह कोशिश अवश्य करनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
वृषभ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
मिथुन	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।
कर्क	पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
तुला	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।
वृश्चिक	आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मकर	राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।
कुम्भ	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
मीन	कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

खुशी के साथ जरूरी भी है चौकसी

क्षमा शर्मा

उत्तर भारत में नवरात्रि से लेकर दिवाली तक त्योहार ही त्योहार होते हैं। आजकल त्योहारों का मौसम ही चल रहा है। इन दिनों में बच्चों की खुशी देखने लायक होती है। एक तो छुट्टियां दूसरे घर में बनते पकवान, घर के अन्य सदस्यों, नाते, रिश्तेदारों, माता-पिता के मित्रों उनके बच्चों से मिलना-जुलना। हर रोज के उत्सव और पार्टियां भी। अक्सर परिवारों में अन्यों से पहले बच्चों की पसंद की खाने-पीने की चीजें बनती हैं। आखिर ऐसा और कौन-सा दूसरा वक्त होगा जब सब कुछ मन का हो रहा हो। बच्चों के खेल-कूद और धमा-चौकड़ी का भी यही समय होता है। इन दिनों बाजार में तरह-तरह के खिलौनों की भरमार होती है। तीर कमान, गत्ते और टीन की तलवारें, पटाखे भी खूब मिलते हैं। टोलियों में निकले बच्चे इन्हें खूब चलाते भी हैं। लेकिन तीर, कमान या तलवारें खतरनाक भी हो सकती हैं, यह उन्हें मालूम नहीं होता। माता-पिता या घर के बड़े खरीदकर तो देते हैं लेकिन इनके प्रयोग में क्या सावधानियां बरतनी चाहिए, ये नहीं बताते। बताते भी हैं तो खेल दीवाने बच्चे शायद इस पर ध्यान नहीं देते। यों भी बच्चों की दुनिया में खतरों की कोई जगह नहीं होती। यहां कुछ उदाहरण याद आ रहे हैं। शायद इनके बारे में पढ़कर हम कुछ सचेत हों। यह लगभग पैंतीस साल पहले की बात है। पड़ोस में एक परिवार रहता था। नौकरीपेशा लोग थे। उनके दो बच्चे थे। बड़ा बेटा पांच-छह साल का था, दूसरा उससे छोटा। दोनों बच्चे अपने पिता के साथ दशहरा मेला देखने गए थे। वहां से उन्होंने अन्य सामान के साथ तीर-कमान भी लिए। अगले दिन ये बच्चे घर के सामने की सड़क पर अपने दोस्तों के साथ खेलने लगे। दोस्तों के पास भी अपने-अपने तीर-कमान थे। वे अपने को दशहरे मेले में देखी तीरंदाजी का सबसे बड़ा नायक समझ रहे थे। कुछ बच्चों को पता तो होता नहीं कि तीर उस दिशा में चलाना चाहिए जहां कोई न खड़ा हो। न उन्हें किसी ने बताया ही होगा। बस एक बच्चे ने तीर चलाया तो वह पड़ोसी के बड़े बेटे की आंख में जा घुसा। और आंख हमेशा के लिए चली गई। परिवारजन बच्चे को न जाने किस-किस अस्पताल में ले गए लेकिन कुछ नहीं किया जा सका। माता-पिता हमेशा इस बात के लिए खुद को कोसते कि जिस तीर कमान-को वे खेलने की चीज समझ रहे थे, क्या पता था कि किसी और बच्चे के चलाए तीर के कारण उनके बच्चे की आंख चली जाएगी। यों किसी भी बच्चे के साथ वह दुर्घटना हो सकती थी जो उनके बच्चे के साथ हुई। डाक्टर्स कहते हैं कि इन दिनों उनके पास बड़ी संख्या में ऐसे रोगी आते हैं जिनकी आंखों में चोट लगी होती है। इनमें बड़ी संख्या में बच्चे होते हैं। वे इस तरह के खिलौने से खेलने के लिए भी मना करते हैं। इसीलिए अगर घर वाले बच्चों को ऐसे खिलौने दिलवा भी रहे हैं तो उनका सावधानी से प्रयोग करना भी उन्हें सिखाएं।

दूसरी घटना भी एक बच्चे से ही जुड़ी है। दिवाली का दिन था। एक बच्चा बहुत से पटाखे लाया था। रात के वक्त कुछ देर तक तो मां साथ में खड़ी होकर पटाखे चलवाती रही लेकिन फिर वह किसी काम से अंदर चली गई। आखिर त्योहार के दिनों में घर वालों को वैसे ही बहुत काम होते हैं। इधर बच्चे ने एक पटाखा जलाने की कोशिश की, वह नहीं जला तो उसने उसे जेब में रख लिया। और दूसरा पटाखा जलाने की कोशिश करने लगा। इतने में जेब में रखा अधजला पटाखा फट गया। बच्चे ने सिंथेटिक कपड़े पहन रखे थे , वे पूरी तरह से शरीर से चिपक गए। इसलिए वह बुरी तरह से झुलस गया। बच्चे की चीखें सुनकर घर वाले और पास पड़ोसी दौड़े आए। बच्चे के माता-पिता उसे लेकर अस्पताल दौड़े। बहुत दिनों तक उसका इलाज चलता रहा। मगर वह ठीक नहीं हो सका। माता-पिता आज इतने साल बाद भी बच्चे को याद करके रोते हैं। सोचते हैं कि जब बच्चा पटाखे जला रहा था तो काश वे उसके साथ होते। शायद उसके साथ वह न होता जो हुआ। आपने ध्यान दिया होगा कि दिवाली पर अक्सर जगह-जगह आग लगने की सूचनाएं आती रहती हैं।

बहुत से लोग दुर्घटनाओं का शिकार भी होते हैं। इस अवसर पर अस्पतालों में अलग से बर्न वार्ड बनाए जाते हैं जिससे कि आग और पटाखों से घायल होने वाले लोगों का जल्दी और सही ढंग से इलाज किया जा सके। ऐसी दुर्घटनाएं होती भी बहुत हैं। तीसरी घटना हाल ही में एक बच्ची से जुड़ी है। वह भी मेले से टीन की तलवार खरीदकर लाई थी। एक दिन घर के आंगन में टीन की तलवार से खेल रही थी। न जाने उसे क्या सूझा कि वह उसे पेट में घुसाकर खेलने लगी। अचानक तलवार पर जोर पड़ा और वह नुकीली होने के कारण पेट में घुस गई। वह तो खैरियत थी कि अस्पताल पास में था और तलवार बहुत ज्यादा गहरी नहीं घुसी थी। इसलिए बच्ची ठीक हो गई। ये मात्र तीन घटनाएं हैं लेकिन इनके बारे में जानकर अंदाज लगाया जा सकता है कि देशभर में ऐसी न जाने कितनी घटनाएं होती होंगी। जिनके कारण बच्चों और उनके घर वालों की जान आफत में आ जाती होगी। बच्चों को खिलौने जरूर दिलाएं मगर क्या जरूरी है कि वे ही खिलौने हों जिनसे उन्हें गम्भीर चोट लग सकती है। त्योहारों में चंचल बच्चे खेलें-कूदें, उल्लास भी मनाएं लेकिन वे खेल-कूद ऐसे हों, जहां उनकी सुरक्षा भी रहे। इस बारे में माता-पिता को भी सावधानी बरतनी चाहिए। वैसे तो पटाखे चलाए ही क्यों जाएं। लेकिन बच्चों को समझाना बहुत बार मुश्किल होता है। बच्चे अपने दोस्तों से भी प्रेरित होते हैं। दोस्त पटाखे चला रहे हैं तो वे क्या किसी से कम हैं। वे क्यों न चलाएं। इसलिए घरवालों से वे एक से एक धूम-धड़ाके वाले पटाखे लाने की जिद करते हैं। दस-दस हजार पटाखे वाली लड़ियों का जलाया जाना आम बात हो चुकी है। इनसे वायु प्रदूषण तो होता ही है, ध्वनि प्रदूषण से भी जीना मुहाल हो जाता है। जो लोग अस्वस्थ होते हैं उन पर बुरी बीतती है। ऐसे में जरूरी है कि यदि बच्चे पटाखे चला रहे हैं या ऐसे खिलौनों से खेल रहे हैं जिनसे उन्हें चोट लगने का खतरा है, तो घर के बड़े बच्चे उनके साथ जरूर रहें। पटाखे जलाकर वे उनसे दूर हट जाएं जिससे किसी दुर्घटना से बच सकें। यही नहीं इन दिनों जरूरी है कि बच्चे सूती कपड़े ही पहनें जिससे कि बच्चों को आग से बचा सकें। और सिर्फ बच्चे ही क्यों बड़ों की भी सुरक्षा जरूरी है। वे भी सूती ही कपड़े पहनें। त्योहार की खुशी अपनी जगह है मगर सुरक्षा अपनी जगह। आइए उत्सव मनाएं।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जल सहेजने को जागरूकता की प्रेरक पहल

पंकज चतुर्वेदी

कैथन पुरवा, उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले का एक गांव। यहां से खबर आई कि गांव वालों ने रेडियो जल क्लब का गठन किया है। इस संस्था के लोग गांव में घर-घर जाकर बता रहे कि सभी को बूंद-बूंद पानी बचाना होगा, तभी भविष्य के लिए पेयजल संरक्षित रह पाएगा। महिलाएं समझ रही हैं कि पेयजल के साथ स्वच्छता सभी के लिए जरूरी है। बच्चे के हाथ भोजन करने के पूर्व तथा शौच के बाद साबुन से धुलें। सभी को शिक्षा के साथ स्वच्छता एवं पेयजल संरक्षित करने में सहयोग देना होगा। इसी तरह लखीमपुर जिले के ग्राम डकिया जोगी की महिलाओं ने 'जल क्लब' बना लिया। क्लब से जुड़ी महिलाएं शपथ ले चुकी हैं कि जल की हर बूंद को सहेजने के लिए काम करेंगे। उत्तर प्रदेश के कई गांव-कस्बों से अब लोग पानी सहेजने के लिए आगे आ रहे हैं। यह असर संचार के एकतरफा संवाद का माध्यम कहे जाने वाले रेडियो पर प्रसारित एक कार्यक्रम 'बूंदों की न टूटे लड़ी ' का है। पानी बचाना जरूरी है। बेपानी हो गए तो देश के प्रगति चक्र की गति मंथर हो जाएगी। यह बात समाज भी समझता है और सरकार भी। प्रयास भी हो रहे हैं लेकिन लोगों तक इस विषय में जागरूकता की किरणें नहीं पहुंची। भले ही सूचना और मनोरंजन के कई आधुनिक साधन उपलब्ध हैं लेकिन आज भी आम आदमी का, दूरदराज आंचलिक आबादी का सहज-सुलभ संचार साधन रेडियो ही है। जब से मोबाइल में इंटरनेट के जरिये रेडियो मिलने लगा है, लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है। इन दिनों आकाशवाणी, लखनऊ पानी की हर बूंद बचाने के लिए 100 दिन की श्रृंखला चलाये हुए है। इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। श्रोता जल बचाने के लिए अपने स्तर पर एकजुट होकर प्रयास कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने अपने 'एक्स' हैंडल पर लिखा- मुझे आकाशवाणी लखनऊ द्वारा जल संरक्षण की अनूठी पहल पर संचालित रेडियो कार्यक्रम 'बूंदों की न टूटे लड़ी' में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। जल है तभी जीवन है। पशु-पक्षी, पेड़-पौधे, जीव-जंतु, मानव समुदाय सभी जल पर निर्भर हैं। आकाशवाणी के लखनऊ केंद्र द्वारा जी-20 में भारत की अध्यक्षता के उत्सव स्वरूप विश्वविद्यालयों के युवाओं के साथ यूथ कॉनक्लेव्स का आयोजन किया था जिसमें पर्यावरण और समेकित विकास के विशेष कार्यक्रम हुए। इसी क्रम में आकाशवाणी लखनऊ ने अपने एफएम चैनल पर एक अभिनव प्रयोग किया— जल के लिए चल। इसके तहत एक दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें अपेक्षा से कई सैकड़ों गुना लोग आए। लोगों के उत्साह को देखते हुए आकाशवाणी की कार्यक्रम अधिकारी मीनू खरे ने एक और अनूठा प्रयोग शुरू कर दिया- 'जल संरक्षण के लिए रेडियो तरंगों पर मानव श्रृंखला का निर्माण।' यह अनवरत श्रृंखला 100 दिन तक चल रही है। यह देश की प्रथम ह्यूमन चेन है जो रेडियो तरंगों पर निर्मित हो रही है। इसके अंतर्गत हर दिन किसी ऐसे जल योद्धा से बातचीत की जाती है जिसने जल संरक्षण में क्षेत्र में बड़ा योगदान दिया हो। इसमें समाज के हर वर्ग के जल योद्धा शामिल हैं-पद्म अलंकारों से विभूषित जल योद्धा, ब्यूरोक्रेट्स, वैज्ञानिक, शिक्षाविद, गीतकार, गायक, अभिनेता, कम्युनिटी लीडर्स, पत्रकार और सामान्य जन आदि। इसमें पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, प्रशासनिक अधिकारी हीरा लाल, मैग्सेसे अवार्डी राजेंद्र सिंह, पुलिस सेवा के महेंद्र मोदी आदि शामिल हो चुके हैं। यह कार्यक्रम सुबह नौ बजे आता है, जिसमें दस मिनट के विमर्श में 'पानी बचाने के लिए हम क्या कर सकते हैं?' पर सवाल-जवाब होते हैं। इस कार्यक्रम से कई ऐसे लोग सामने आये जो असाधारण काम कर रहे हैं। मडियाओन की एज़ फातिमा ने एलएमसी द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले नल के पानी की गुणवत्ता के मुद्दों की खोज के बाद स्वच्छ पानी के लिए रैली की थी। इसके बाद न केवल समुदाय को साफ पानी उपलब्ध हुआ, बल्कि पाइपलाइन लीक मरम्मत कर पानी की बर्बादी भी रोकी गई। यह सुखद है कि आवाज़ की दुनिया चेहरे को नहीं, बल्कि कार्य को प्रस्तुत कर रही है और इससे जल को लेकर आम लोगों की सोच में बदलाव आ रहा है। लोग जान रहे हैं कि जल का स्रोत केवल बरसात है या फिर ग्लेशियर। नदी, समुद्र, तालाब, कुआं-बावड़ी जल के स्रोत नहीं बल्कि प्रकृति से मिले जल को सहेजने के खजाने हैं। यह रेडियो विमर्श लोगों को याद दिला रहा है कि प्रकृति पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है और इस चक्र को गतिमान रखना हमारी जिम्मेदारी है।

प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं उसे वापस भी हमें ही लौटाना होता है। जरूरी है कि विरासत में हमें जल को सहेजने के जो साधन मिले हैं उनको जीवंत रखें। आकाशवाणी की यह मुहिम और इसे मिल रहा सकारात्मक प्रतिसाद अन्य एफएम रेडियो और टीवी चैनलों के लिए प्रेरणा है।

विचार मंथन

इलेक्टोरल बांड काले धन को सफेद बनाने का जरिया?

(लेखक - सनत जैन)

इलेक्ट्रोल बांड को लेकर मंगलवार से सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है ।याचिका करता का कहना है की इलेक्ट्रोल बांड की गोपनीयता से लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। राजनीति में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा। चुनाव लड़ने के लिए सभी राजनीतिक दलों को बराबरी का मौका नहीं मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की संविधान पीठ के समक्ष एसोसियशन फ़ॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से याचिका दायर की गई है ।याचिका करता के वकील प्रशांत भूषण का कहना था,इलेक्टोरल बांड के नियम, संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत सूचना अधिकार कानून को खत्म करते हैं। इलेक्ट्रोल बॉन्ड सत्ताधारी पार्टी को रिश्वत के रूप में देकर सरकार से मन माफिक कार्य कराया जा सकता है। बांड के ज रिये रिश्वत को भी कानूनी जामा पहना दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट में यह भी जानकारी दी गई है ,कि इलेक्ट्रोल बांड का चंदा केंद्र में काबिज सत्ताधारी दल को 5271 करोड रुपए का चुनावी चंदे से मिला है। कांग्रेस को पिछले 5 वर्षों में 952 करोड रुपए का चुनावी चंदा बांड से मिला है। टीएमसी को 767 करोड ,एनसीपी को 63 करोड़,टीआरएस को 383 करोड़ टीडीपी को 112 करोड़,वाईएसआर को 330 करोड़, बीजू जनता दल को 622 करोड़, शिवसेना को 111 करोड़, आम आदमी पार्टी को 48 करोड़ और जदयू को 24 करोड रुपए चंदा मिला है। सुप्रीम कोर्ट में यह भी बताया गया है कि चुनावी बांड के रूप में सीपीआईएम ने चंदा लेने से इनकार किया है ।इलेक्रट्रोल बॉन्ड के रूप में जो चंदा राजनीतिक दलों को दिया गया है ।उसमें 95 फ़ीसदी चंदा एक करोड रुपए से ऊपर के बांड चंदे चंदे के रूप में राजनीतिक दलों को मिला है। वरिष्ठ अधिवक्ता। कपिल सिब्बल का यह भी कहना था,कि यदि चंदे के मिले पैसे से राजनीतिक दल टीवी चैनल को विज्ञापन देकर अपनी विचारधारा का प्रचार करना चाहते हैं ।तो वह भी आसानी के साथ करा सकते हैं। केंद्र सरकार द्वारा कंपनी अधिनियम एवं चंदा लेने के नियमों में जो परिवर्तन किया गया है। उसके अनुसार विदेशी कंपनी, जिसकी सहयोगी कंपनी का यदि भारत में ऑफिस है तो वह भी विदेशी चंदा दे सकता है। याचिका करता को सबसे ज्यादा आपत्ति इस बात पर थी, कि इलेक्ट्रोल बांड से किसको कितना चंदा दिया है ।यह जानने का अधिकार जनता को नही है। यह बात जनता से छुपाई क्यों जा रही है। इलेक्ट्रोल बॉन्ड से जो भी चंदा राजनीतिक दलों को मिला है। उनकी केंद्र में सरकार है, या राज्यों में उनकी सरकारें है। उन्ही राजनीतिक दलों को इलेक्ट्रोल बांड से चंदा मिला है। अन्य राजनीतिक दलों को जिनकी सरकारें नहीं थी ।उन्हें चंदा नहीं मिला,जो राजनीतिक तौर पर असमानता को बढ़ाता है। चुनाव की निष्पक्षिता को भी प्रभावित करता है। याचिकाकर्ता के वकीलों का यह भी कहना था, कि इलेक्ट्रोल बांड स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया से कोई भी व्यक्ति खरीद सकता है। उसकी पहचान भी पूरी तरह से गोपनीय रखी जाती हैं। बांड खरीदने वाले की पहचान ना तो बैंक उजागर करेगा और ना ही राजनीतिक दल, जिसे उसने चंदा दिया है। वह भी जानकारी नहीं देगा। जिसके कारण खुले रूप से काला धन या विदेशी चंदा इलेक्टोरल बांड के माध्यम से राजनीतिक दलों तक पहुंच रहा है। इसकी कोई जांच नहीं किए जाने से बड़े पैमाने पर काले धन को राजनीतिक दलों को देकर सफेद करने का धंधा चल रहा है ।आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार पर आबकारी घोटाले में रिश्वत लेकर गोवा चुनाव में पैसे खर्च करने की बात कही जा रही है। यदि यह पैसा बांड के माध्यम से लिया गया होता, तो रिश्वत का पैसा होते हुए भी वह कानूनी रूप से मान्य हो जाता। यदि दिल्ली सरकार का रिश्वत लेना और उसका प्रयोग चुनाव में करना अपराध है। तो इलेक्ट्रॉल बांड के माध्यम से बांड से जो चंदा दिया जा रहा है। तो वह भी अपराध की श्रेणी में आता है ।बहरहाल सुप्रीम कोर्ट में अब इलेक्ट्रोल बांड को लेकर सुनवाई शुरू हो गई है ।दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका में आबकारी घोटाले में ली गई रिश्वत की रकम को गोवा चुनाव में खर्च किए जाने की बात सुप्रीम कोर्ट में एक बार जांच एजेंसी ईडी द्वारा सामने आई है ।क्या राजनीतिक दल को भी इसमें पार्टी बनाया जा सकता है यह सुप्रीम कोर्ट ने पूछा था। जिस तरीके से याचिकाकर्ता के वकीलों ने अपना पक्ष रखा है। उससे यह स्पष्ट हो रहा है, कि इलेक्ट्रोल बैंड का गोरख धंधा अब भाजपा के लिए भी एक मकडजाल की तरह जाल बुनता हुआ नजर आ रहा है ।जिसमें भाजपा खुद भी फंसती हुई नजर आ रही है। बहरहाल अभी इस मामले की सुनवाई चल रही है ।केंद्र सरकार का कहना था, कि इलेक्ट्रोल बांड से मिले हुए चंदे के बारे में जनता को जानने का कोई हक नहीं है। इस बात का फैसला भी अब सुप्रीम कोर्ट को करना है।

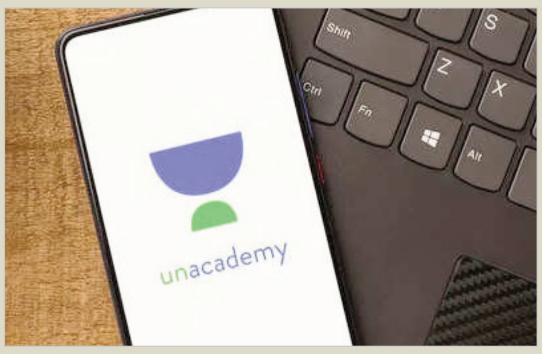

शीर्ष स्तर की निकासियों के बीच यूएनएकेडमी ने नए मुख्य लोक अधिकारी की नियुक्ति की

बेंगलुरु। एडटेक प्लेटफॉर्म यूएनएकेडमी ने बुधवार को मुख्य लोक अधिकारी के रूप में संध्यादीप पुरी की नियुक्ति की घोषणा की, क्योंकि गौरव मुंजाल द्वारा संचालित एडटेक कंपनी यूएनएकेडमी में 'हाई-प्रोफाइल एग्जिट' जारी है।विभिन्न उद्योगों और भौगोलिक क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिकाओं में 25 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ पुरी ने पहले पिज़्ज़ा हट और केएफसी जैसे ब्रांडों के लिए मानव संसाधन रणनीतियों की देखरेख करते हुए सफायर फूड्स में मुख्य लोक अधिकारी का पद संभाला था। पुरी ने कहा, मैं यूएनएकेडमी में प्रतिभाशाली टीम के साथ सहयोग करने और परिवर्तनकारी व्यावसायिक पहल करने के लिए उत्सुक हूं, जो लोगों के चार्टर के माध्यम से कंपनी की निरंतर वृद्धि और सफलता में योगदान देगा। सफायर फूड्स से पहले वह आदित्य बिड़ला समूह के खुदरा क्षेत्र में संगठन विकास और संगठन प्रभावशीलता पहल के लिए जिम्मेदार थीं।यूएनएकेडमी के सह-संस्थापक और सीईओ गौरव मुंजाल ने कहा, उनका व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता हमारे मिशन को बढ़ाने का वादा करती है और यह अमूल्य होगा, क्योंकि हम अपनी टीम का विस्तार करना और एक संगठन के रूप में आगे बढ़ना जारी रखेंगे। यह नियुक्ति यूएनएकेडमी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) सुब्रमण्यम रामचंद्रन के कंपनी छोड़ने के बाद हुई। हाल के महीनों में एडटेक स्टार्टअप से यह दूसरा वरिष्ठ निकास है।द मॉर्निंग कॉन्टेक्स्ट की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है, रामचंद्रन ने अपने कागजात जमा कर दिए हैं और इस समय अपनी नोटिस अवधि पूरी कर रहे हैं। अगस्त में यूएनएकेडमी के मुख्य परिचालन अधिकारी विवेक सिन्हा ने इस्तीफा दे दिया था।

अहमदाबाद में आयोजित रोड शो में मुख्यमंत्री धामी हुए शामिल, निवेशकों को किया आमंत्रित

देहरादून/अहमदाबाद। उत्तराखंड में 8 और 9 दिसंबर को होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हेतु मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को अहमदाबाद में आयोजित रोड शो में शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न उद्योग समूहों के साथ बैठक करते हुए सभी निवेशकों को समिट के लिए आमंत्रित भी किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत अहमदाबाद में छठा रोड शो आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने 8 और 9 दिसंबर को देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में निवेशकों को आमंत्रित किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात भगवान श्रीकृष्ण की धरा है। महात्मा गांधी और सरदार पटेल जैसे महापुरूषों की यह भूमि है। इस भूमि ने भारत को नरेंद्र मोदी जैसे प्रधानमंत्री दिए हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक पटल पर एक अलग पहचान बनाई है। आज दुनिया में भारत का मान-सम्मान और स्वाभिमान बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में उद्योगों के विकास के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। उद्योग जगत से जुड़े लोगों के सुझावों को ध्यान में रखते हुए 30 नई नीतियां बनाई गई हैं। कई नीतियों को सरल बनाया गया है। उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान भी जो सुझाव प्राप्त हो रहे हैं, उन सभी पर अमल किया जा रहा है। राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम बनाया गया है। इसको और प्रभावी बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य को बने 23 साल हो गये हैं। राज्य स्थापना के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उत्तराखंड को विशेष औद्योगिक पैकेज दिया। इसके बाद उत्तराखंड में औद्योगिक निवेश तेजी से बढ़ा है। उत्तराखंड में निवेश के लिए अपार संभावनाएं हैं। राज्य में 6 हजार एकड़ का लैंड-बैंक बनाया गया है। राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में निवेश करने वालों के लिए और प्रोत्साहन दिया जायेगा। उत्तराखंड का प्राकृतिक सौंदर्य और बेहतर मानव संसाधन निवेशकों को उत्तराखंड आने के लिए आकर्षित कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में ईकोलॉजी और ईकोनॉमी में संतुलन बनाते हुए कार्य हो रहे हैं। उत्तराखंड कर्मभूमि बनाने के लिए अच्छा डेस्टिनेशन है। राज्य में हवाई, रेल, रोड और रोपवे कनेक्टिविटी के साथ तेजी से विस्तार हो रहा है। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में इस वर्ष अभी तक 52 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

अक्टूबर में यूपीआई लेनदेन बढ़कर 17.16 लाख करोड़ रुपये के उच्च स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली।

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन अक्टूबर में 17.16 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक यह इस साल सितंबर में 15.8 लाख करोड़ रुपये से 9 प्रतिशत अधिक है। रियल टाइम पेमेंट प्लेटफॉर्म चलाने वाली नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों से पता चला है कि मात्रा के संदर्भ में भी लेनदेन की संख्या रिकॉर्ड 11.41 बिलियन तक पहुंच गई, जो सितंबर में 10.56 बिलियन की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक है। एनपीसीआई के अनुसार, नवीनतम आंकड़ों के आधार पर, यूपीआई ने लेनदेन की मात्रा के मामले में साल-दर-साल 55 प्रतिशत और मूल्य के मामले में 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। यूपीआई ने सितंबर में 10.56 बिलियन का लेनदेन वॉल्यूम दर्ज किया और अगस्त में 10 बिलियन का आंकड़ा पार कर लिया था। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, अक्टूबर 2023 में 11 बिलियन से अधिक यूपीआई लेनदेन किए गए। लोग यूपीआई के साथ रियल टाइम में मोबाइल से निर्बाध भुगतान कर रहे हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 83.28 पर बंद हुआ। वहीं आज सुबह डॉलर के मुकाबले रुपया 2 पैसे कमजोर होकर 83.27 के स्तर पर खुला। वहीं गत दिवस डॉलर के मुकाबले रुपया 83.26 के स्तर पर बंद हुआ था। रुपया का आज उच्च स्तर 83.28 स्तर है जबकि निचला स्तर 83.25 है। वहीं डॉलर का सबसे अधिक स्तर 106.78 पर है जबकि निचला स्तर 106.65 रहा। इसके बाद डॉलर 106.76 के स्तर पर रहा। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने में दबाब आया उससे भी रुपये पर प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा लगातार तीसरे दिन कच्चे तेल में भी गिरावट आई। डॉलर के मुकाबले दूसरी एशियाई मुद्रा में भी कमजोरी देखने को मिल रही है। दक्षिण कोरिया की मुद्रा में 0.5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। वहीं इंडोनेशियाई रुपिया में 0.4 फीसदी की गिरावट रही। जापानी येन में 0.34 फीसदी की बढ़त रही।

मारुति सुजुकी सलेरियो कार है सबसे कीफायती

-सीएनजी वेरिएंट में भी उपलब्ध होगी

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी मारुति सुजुकी की कार सलेरियो सबसे किफायती कार है। यह कार सीएनजी वेरिएंट में भी उपलबे ध होगी। कार का माइलेज भी इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा है।इस हैचबैक में इंजन भी दमदार दिया गया है। इस कार पर दिवाली पर कई तरह के ऑफर्स भी अवेलेबल हैं और ये आपको जीरो डाउनपेमेंट पर फाइनेंस हो जाएगी। कंपनी सिलेरियो में 1.0 लीटर का पेट्रोल इंजन देती है। ये इंजन 67 बीएचपी की पावर जनरेट करता है और इसका मैक्सिमम टॉर्क 89 एनएम का है। कार 5 स्पीड मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ मिलती है। कार पेट्रोल पर 25 किलोमीटर प्रति लीटर से भी ज्यादा माइलेज देती है। वहीं इसके सीएनजी वेरिऐंट की बात की जाए तो ये 36 किलोमीटर प्रति र्को लो तक का माइलेज देता है। हालांकि सीएनजी पर कार की पावर कुछ कम हो जाती है और ये 56 बीएचपी जनरेट करती है और इसका मैक्सिमम टॉर्क 82 एनएम का आता है।सेफ्टी के लिए कार में डुअल फ्रंट एयरबैग, हिल-होल्ड असिस्ट, ईबीडी के साथ एबीएस और रियर पार्किंग सेंसर जैसे फीचर्स मिल रहे हैं।कार के फीचर्स की बात करें तो 7 इंच का टचस्क्रीन, पुश-बटन स्टार्ट/स्टॉप सिस्टम, पैसिव कीलेस एंट्री और मैनुअल एसी जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 284 , निफ्टी भी 90 अंक टूटा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से प्राप्त मिश्रित संकेतों के साथ ही धातु और आई टी शेयरों में बिकवाली हावी होने से आई है। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप इंडेक्स में गिरावट आई और यह 0.4 फीसदी नीचे रहा है हालांकि, स्मॉलकैप इंडेक्स केवल 0.1 फीसदी गिरा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 283.60 अंक करीब 0.44 फीसदी नीचे आकर 63,591 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,896 की ऊंचाई तक जाने के बाद 63,550 तक फिसला। दूसरी ओर 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 90.45 अंक तकरीबन 0.47 फीसदी नीचे आने के बाद अंत में 18,989 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,096 तक ऊपर जाने के बाद 18,973 तक टूटा। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में केवल 5 शेयर ही लाभ के साथ ऊपर आये हैं। इसके अलावा सन फार्मा, बजाज फिनसर्व, रिलायंस, एसबीआई और भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। वहीं सबसे ज्यादा लाभ 2.67 फीसदी सन फार्मा के शेयरों को हुआ।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से 25 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। नीचे आने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, नेस्ले इंडिया, मारुति और जेएस डब्यू स्टील आदि हैं। सबसे ज्यादा 2.04 फीसदी नीचे एशियन पेंट्स के शेयर आये हैं।

इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सुबह सेंसेक्स 95.04 अंक करीब 0.15 फीसदी नीचे आकर 63,779.89 के स्तर पर जबकि निफ्टी 10.00 अंक तकरीबन 0.05 फीसदी नीचे आकर 19069.60 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज सुबह एशियाई बाजार में तेजी दर्ज की गयी। बैंक ऑफ जापान द्वारा अपनी यील्ड कर्व नियंत्रण नीति में अधिक लचीलापन दिए जाने के बाद जापान का निक्की 2 फीसदी ऊपर आया। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.62 फीसदी बढ़ा। दूसरी ओरहांगकांग में हैंग सेंग 0.05 फीसदी उछला। अमेरिका में, एसएंडपी 500 0.65 फीसदी जबकि नैस्डैक 0.48 फीसदी बढ़ा। डॉव जोन्स कल रात 0.38 फीसदी बढ़कर बंद हुआ।

टाटा नेक्सॉन के फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च

-5-स्टार की सेफ्टी, 25 किलोमीटर का माइलेज

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा नेक्सॉन अपनी सेफ्टी रेटिंग के वजह से ही देश भर में लोकप्रिय हो रही है। यह कार अब नए डिजाइन के स्प्लिट एलईडी हेडलाइट सेटअप के साथ आ रही है। वहीं इसमें नए फ्रंट और बैक बंपर के साथ नया एलईडी टेल लाइट सेटअप भी दिया गया है।

कंपनी ने सिर्फ कार के बाहरी डिजाइन ही नहीं बल्कि इंटीरियर को भी अपडेटेड लुक दिया है। कार के अंदर अब नया 2 स्पोक स्टीयरिंग व्हील, डैशबोर्ड लेआउट और इंटीरियर कलर मिलता है।टाटा नेक्सन में पेट्रोल और डीजल दोनों इंजन विकल्प मिलते हैं। इसमें पहला 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन है जो 120 बीएचपी पॉवर और 170 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं दूसरा 1.5-लीटर डीजल इंजन है जो 115 बीएचपी पॉवर और 260 एनएम टॉर्क का आउटपुट देता है। ट्रांसमिशन विकल्प में 5-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड एएमटी और एक नया 7-स्पीड डुअल क्लच ट्रांसमिशन (डीसीटी) शामिल है। डीजल यूनिट के साथ 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड एएमटी का विकल्प दिया गया है।

नेक्सान में 25 किलोमीटर प्रति लीटर की माइलेज मिलने का दावा किया गया है।टाटा नेक्सान में 10.25-इंच टचस्क्रीन का इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.25-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, वायरलेस फोन चार्जिंग, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, क्रूज कंट्रोल और पैडल शिफ्टर्स जैसे फीचर्स मिलते हैं। इसमें सबवूफर और हरमन-एन्हांस्ड ऑडियोवॉरएक्स के साथ 9-स्पीकर जेबीएल साउंड सिस्टम भी मिलता है। बता दें कि टाटा नेक्सॉन के फेसलिफ्ट मॉडल को हाल ही में लॉन्च किया गया है। अपने नए वर्जन में यह एसयूवी ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में सेफ्टी के लिए 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग लेकर आई है।

रूस ने भारतीयों के लिए बैंक खाते खोलने के नियम बनाए सरल

नई दिल्ली। रूस ने भारतीय नागरिकों के लिए अपने वित्तीय संस्थानों में बैंक खाते खोलने के लिए नियमों को आसान बना दिया है। 'एक्स' पर भारत में रूसी दूतावास ने बुधवार को घोषणा की कि अब भारतीयों द्वारा रूस पहुंचने पर रूसी बैंक में बैंक कार्ड प्राप्त करना और वित्तीय लेनदेन शुरू करना संभव होगा। रूसी दूतावास ने कहा कि यह सुविधा भारतीय पर्यटकों और छात्रों के लिए विशेष रूप से सुविधाजनक है। रूसी दूतावास ने कहा, 'हम रूसी वित्तीय संस्थानों में बैंक खाते खोलने के इच्छुक भारतीय नागरिकों के लिए सरलीकृत मानदंड पेश करने के रूसी सरकार के फैसले की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। अब दूर से ही रूसी बैंकों में बैंक खाते खोलना या धन जमा करना संभव है।' रूस पहुंचने पर, साझेदार रूसी बैंक में तुरंत बैंक कार्ड प्राप्त करना और वित्तीय लेनदेन शुरू करना संभव होगा। यह सुविधा भारतीय पर्यटकों और छात्रों के लिए विशेष रूप से सुविधाजनक है।'''प्रक्रिया सीधी हैः ऐसे बैंक खाते खोलने के इच्छुक भारतीय नागरिकों को मार्गदर्शन के लिए उस भारतीय बैंक से संपर्क करने की सलाह दी जाती है जिसका रूसी संघ के सेंट्रल बैंक के साथ समझौता है।'

एप्पल ने नया मैकबुक प्रो और आईमैक लैपटॉप नए एम3 चिपसेट पेश किए

क्यूपर्टिनो । एप्पल ने अपना नया मैकबुक प्रो और आईमैक लैपटॉप नए एम3 चिपसेट के साथ बाजार में उतार दिया है। एम3 प्रो और एम3 मैक्स 14 और 16 इंच के मॉडल अब एक नए स्पेस ब्लैक फिनिश में उपलब्ध हैं। कंपनी ने इसके साथ एम3, एम3 प्रो, एम3 मैक्स प्रोसेसर को भी लांच किया। मैकबुक प्रो मॉडल में 20 प्रतिशत उज्जवल एसडीआर सामग्री के साथ एक शानदार लिक्विड रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले, 1080पी कैमरा, एक इमर्सिव छह-स्पीकर साउंड सिस्टम और कनेक्टिविटी विकल्पों की एक विस्तृत श्रृंखला है। कंपनी ने कहा, ग्राहक नए मैकबुक प्रो को ऑर्डर कर सकते हैं और डिवाइस 7 नवंबर से एप्पल स्टोर और अधिकृत पुनर्विक्रेताओं के पास पहुंच जाएगा। एम3 के साथ 14 इंच मैकबुक प्रो की कीमत 169,900 रुपये से शुरू होती है और एडुकेशन के लिए 158,900 रुपये है। एम3 प्रो के साथ 14 इंच मैकबुक प्रो की कीमत 199,900 रुपये और एडुकेशन के लिए 184,900 रुपये है और 16 इंच मैकबुक प्रो की कीमत 249,900 रुपये और शिक्षा के लिए 229,900 रुपये है।एप्पल के हार्डवेयर इंजीनियरिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जॉन टर्नस ने कहा, मैकबुक प्रो 22 घंटे की बैटरी लाइफ, एक शानदार लिक्विड रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले और उन्नत कनेक्टिविटी के साथ उपयोगकर्ताओं को सक्षम बनाता है। एम3 के साथ नया 14-इंच मैकबुक प्रो न केवल रोजमर्रा के कार्यों के लिए बढ़िया है, बल्कि प्रो ऐप्स और गेम में भी अभूतपूर्व निरंतर प्रदर्शन प्रदान करता है। एम3 मैक्स के साथ 14 और 16 इंच मैकबुक प्रो बेहतर प्रदर्शन और क्षमताएं प्रदान करता है जो कंप्यूटिंग की सीमाओं को आगे बढ़ाता है।

नया आईमैक सबसे लोकप्रिय 27 इंच मॉडल की तुलना में 2.5 गुना तेज है, और सबसे शक्तिशाली 21.5-इंच मॉडल की तुलना में 4 गुना तेज है। इसमें 11.3 मिलियन पिक्सेल और एक अरब से अधिक रंगों के साथ एक विस्तृत 4.5के रेटिना डिस्प्ले, तेज वायरलेस कनेक्टिविटी और आईफोन के साथ एक सहज अनुभव भी है। एम3 के साथ 24 इंच का आईमैक ऑर्डर के लिए उपलब्ध है और यह 7 नवंबर से ग्राहकों तक पहुंचना शुरू हो जाएगा। 8-कोर जीपीयू वाले आईमैक की कीमत 134,900 रुपये और शिक्षा के लिए 129,900 रुपये से शुरू होती है, और यह हरे, गुलाबी, नीले और सिल्वर रंग में उपलब्ध है।

व्यवसायिक उपयोग वाले गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ी

नई दिल्ली ।

नवंबर की शुरुआत से ही व्यवसायिक उपयोग वाले सिलेंडर की कीमत बढ़ गयी है हालांकि रसाई गैस की कीमतें पहले की तरह ही रहेंगी। आज से 19 किलोग्राम वाले व्यवसायिक सिलेंडर के लिए 100 रुपये ज्यादा देने पड़ेंगे। इंडियन ऑयल का 19 किलोग्राम का सिलेंडर की कीमत अब दिल्ली में 1833 रुपये हो गयी है। इससे पहले यह 1731 रुपये का मिल रहा था। इस प्रकार इसकी कीमतों में 102 रुपये की बढ़त हुई है। वहीं मुंबई में सिलेंडर की कीमत 1684 रुपये से बढ़कर 1785.50 रुपये पहुंच गई है जबकि कोलकाता में व्यवसायिक सिलेंडर 1839.50 रुपये से बढ़कर 1943 रुपये हो गई है। वहीं चेन्नई में जो व्यवसायिक सिलेंडर 1898 रुपये की जगह अब 1999.50 रुपये का हो गया है। बता दें कि चारों महानगरों में से कोलकाता में इस बार व्यवसायिक गैस के दाम सबसे अधिक 103.50 रुपये बढ़े हैं। गत एक महीने में ही व्यवसायिक गैस सिलेंडर की कीमत में 300 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी कर दी गई है। 1 अक्टूबर को भी कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 209 रुपये बढ़ाए गए थे और अब एक महीने बाद ही इसकी कीमतों में एक बार फिर से 100 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है।

मेगा ब्लॉकबस्टर सेल की सफलता के बाद मीशो कर्मचारियों को देगी 9 दिन का अवकाश

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स क्षेत्र की कंपनी मीशो मेगा ब्लॉकबस्टर सेल की सफलता के बाद अपने कर्मचारियों को 9 दिन का अवकाश देगी। कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार अपने कर्मचारियों को खुशमिजाज रखने के लिए लगातार तीसरी बार सालाना 'रीसेट और रिचार्ज' अवकाश शुरू किया है। इस पहल के अंतर्गत कंपनी के कर्मचारी इस साल 11 से 19 नवंबर के बीच 9 दिन की छुट्टी पर रहेंगे। इस दौरान वे कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और अपने मानसिक स्वास्थ्य को वरीयता देने के लिए सभी उपाय करेंगे। हाल ही में मीशो के 'मेगा ब्लॉकबस्टर सेल' को शानदार सफलता मिली और इससे उत्साहित होकर कंपनी ने अपने कर्मचारियों को यह सौगात दी है। कंपनी ने कहा है कि वह इस बात पर जोर देती है कि कर्मचारियों के सर्वांगीण विकास एवं खुशियों का खास ध्यान रखा जाए। यह छुट्टी कंपनी के सभी कर्मचारियों के लिए होगी। गौरतलब है कि कंपनी में इस समय कुल 1,300 लोग काम करते हैं। मीशो के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी आशिष कुमार सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान हमने अनुभव किया है कि रीसेट और रिचार्ज ब्रेक के तौर पर दी गई छुट्टियों से कर्मचारियों को खुश मिजाज रखने में मदद मिली है। इससे कर्मचारियों पर अच्छा असर देखने को मिला है। हमने यह भी देखा है कि जब भी वे छुट्टी से तरोताजा होकर लौटते हैं तो उनमें एक अलग उत्साह दिखता है और वह पूरे जोश के साथ फिर काम में जुट जाते हैं। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को पूरा समर्थन देने के लिए पैरेंटल पॉलिसी में भी बदलाव किए हैं। इसके तहत कर्मचारियों को कई तरह के फायदे दिए जाते हैं, जिनमें वित्तीय मदद और शिशु की देखभाल करने वाले कर्मचारियों को 30 सप्ताह की छुट्टियां भी दी जाती हैं। उद्योग जगत में अमूमन इसके लिए 26 सप्ताह का अवकाश दिया जाता है। कंपनी अपने कर्मचारियों को अपरिहार्य परिस्थितियों जैसे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे या कुछ अन्य विशेष मामलों में अतिरिक्त छुट्टियों का प्रावधान भी कर रही है। सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में कार्यस्थल पर कर्मचारियों को अक्सर कई तरह की चिंताएं एवं तनाव का शिकार होते देखा गया है। कंपनी ने कहा कि इसे देखते हुए उसने एक अलग उदाहरण पेश किया है ताकि दूसरी कंपनियां भी कर्मचारियों के हितों के अनुकूल नीतियों की शुरुआत कर सके।

पेट्रोल ओर डीजल की कीमतों में कुछ जगहों पर आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में अधिक अंतर नहीं रहा। जहां डब्ल्यूटीआई क्रूड 81.28 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं, ब्रेंट क्रूड के दाम 87.41 डॉलर प्रति बैरल पर बने हुए थे। वहीं घरेलू बाजार में भी ईंधन की कीमतों में बदलाव आया है। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, मणिपुर और त्रिपुरा में इसकी कीमतें कम हुई हैं। छग में पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 49 पैसे सस्ता हो गया है। दूसरी ओर महाराष्ट्र और बिहार में इसकी कीमतें बढ़ी हैं। महाराष्ट्र में पेट्रोल 33 पैसे और डीजल 32 पैसे बढ़ा है। इसके साथ ही हरियाणा, हिमाचल प्रदेश , केरल, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। वहीं नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.76 सस्ता होकर रुपये प्रति लीटर है। गाजियाबाद में भी कीमतें घटीं हैं और से 96.44 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गया है। इसके अलावा लखनऊ में पेट्रोल कम होकर 96.36 रुपये और डीजल 89.56 रुपये प्रति लीटर हो गया है दूसरी ओर पटना में कीमतें बढ़ी हैं जिससे पेट्रोल 107.74 रुपये और डीजल 94.51 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं चारों महानगरों की बात करें तो दाम पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर पर बना हुआ है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वर्ल्ड कप के बाद डेविड विली लेंगे संन्यास

नई दिल्ली। इंग्लैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज डेविड विली ने सोशल मीडिया पर यह घोषणा की है कि वह भारत में खेले जा रहे विश्व कप के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। 33 साल के डेविड विली एक खतरनाक तेज गेंदबाज हैं। हालांकि, भारत में खेले जा रहे मेगा-इवेंट में वो अपनी टीम के लिए कुछ खास नहीं कर पाए हैं। बताया जा रहा है कि विली का संन्यास लेने का निर्णय ईसीबी के 2023-24 चक्र के लिए उन्हेंकेंद्रीय अनुबंध की पेशकश नहीं करने के फैसले के बाद आया है। विली ने विश्व कप में अपने तीन मैचों में पांच विकेट लिए हैं। जिसमें भारत के खिलाफ मैच में तीन विकेट (केएल राहुल, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव) और निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए 42 रन शामिल हैं। विली ने सोशल मीडिया पर किए गए अपने पोस्ट में लिखा, मैं कभी नहीं चाहता था कि यह दिन आए। मैंने बचपन से केवल इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेलने का सपना देखा है। मैंने बहुत विचार करने के बाद और बहुत अफसोस के साथ यह फैसला लिया है कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का सही समय आ गया है। मैं विश्व कप के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलूंगा। विली ने मई 2015 में आयरलैंड के खिलाफ इंग्लैंड में डेब्यू किया और इयोन मोर्गन, ट्रेवर बेलिस और एंड्रयू स्ट्रॉस की कप्तानी में खेले।

विश्वकप: भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबला आज

मुम्बई ।

एकदिवसीय विश्वकप में गुरुवार को भारतीय टीम का मुकाबला श्रीलंका से होगा। पहले ही सेमीफाइनल के लिए जगह पक्की होने के कारण भारतीय टीम इस मैच में बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। भारतीय टीम करीब 12 साल बाद वानखेड़े स्टेडिम में श्रीलंका के साथ होने वाले मुकाबले को जीतकर अपना विजय अभियन बरकरार रखना चाहेगी। भारतीय टीम ने अपने अब तक के सभी मैच जीते हैं। ऐसे में इस मुकाबले में वह जीत की प्रबल दावेदान नजर आती है। भारतीय टीम जहां लय में है, वहीं श्रीलंकाई टीम बेहद कमजोर स्थिति में है। वह सेमीफाइनल की दौड़ से तकरीबन बाहर हो गयी है। पिछ्ली बार 2011 के विश्व कप फाइनल में भारत और श्रीलंका का मुकाबला इसी स्टेडियम में हुआ था। तब भारत ने मुकाबले के साथ ही खिताब भी जीता था। अब इस बार श्रीलंकाई टीम हिसाब बराबर करना चाहेगी।

इस बार भारतीय टीम पर कोई दबाव नहीं है। उसपर इस मैच के परिणाम से प्रभाव नहीं पड़ेगा पर श्रीलंका के लिए यह मैच जीतना बेहद अहम है। उसे टूर्नामेंट में बने रहने इस टूर्नामेंट में बड़ी जीत दर्ज करनी होगी जिससे कि उसका नेट रन रेट भी बेहतर हो। अभी श्रीलंकाई टीम अंक तालिका में 7वें स्थान पर हैं। 6 मैचों में उसके केवल दो मुकाबलों में ही जीत मिली है। अगर वह ये मैच बड़े अंतर से जीत लेती है तो अंक तालिका में पांचवे नंबर पर आ जाएगी। अभी जिस प्रकार के हालात है उसमें उसका जीतना संभवन नजर नहीं आता। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी कमजोर है। चोट के कारण उसके कई प्रमुख खिलाड़ी इस टूर्नामेंट से बाहर हैं।

भारत और श्रीलंका के बीच अब तक कुल 167 एकदिवसीय मैचों में आमना-सामना हुआ है। इस दौरान भारत ने 98 मुकाबलों में जीत दर्ज की है, जबकि श्रीलंका 57 मौकों पर विजयी हुआ है। दोनों टीमों के बीच 11 मैच बिना परिणाम के खत्म हुए और 1 मैच टाई पर खत्म हुआ।

भारत और श्रीलंका की टीम के बीच एकदिवसीय विश्व कप में अब तक कुल 9 बार मुकाबला हुआ है। इसमें से चार में टीम इंडिया जीती है, तो इतने ही मैचों में मैदान श्रीलंका ने मारा है। वहीं, एक मैच का कोई परिणाम नहीं निकल सका है।

वानखेड़े स्टेडियम की पिच अपनी समान उछाल और गति के कारण बल्लेबाजों को मदद करती है। यही कारण है कि इस पिच को बल्लेबाजों के लिए अच्छा माना जाता है। यहां जमकर रन बनते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, आर अश्विन , सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और केएल राहुल (विकेटकीपर)

श्रीलंकाई टीम : कुसल मेंडिस (ईएमएस), महेश तीक्ष्णा, दिलशान मदुशंका, पथुम निसांका, कुसल जेनिथ, दिमुथ करुणारत्न, चरित असलांका, धनंजय डीसिल्वा, सदीरा समारविक्रमा, दुनिथ वेल्लालागे, कसुन राजिथा, मथीशा पथिराना और लाहिरू कुमारा, चमिका करुणारत्ने

रोहित ने स्ट्राइक रेट के मामले में विराट को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा विश्वकप में इस बार नये अंदाज में दिखे हैं।रोहित को बल्लेबाजी में किये बदलाव का लाभ भी मिला है। ये पहली बार है जब वह रनों के मामले में विराट कोहली से आगे निकल आये हैं। रोहित ने अब तक आक्रामक तरीके से खेलते हुए 21 पारियों में 56 की औसत से 1056 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने 56 छक्के भी लगाये हैं। इसमें 2 शतक और 8 अर्धशतक शामिल हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी 113 का रहा है। पहली बार करियर में रोहित बेहद तेजी से बल्लेबाजी कर रहे है जिससे भारतीय टीम अच्छी शुरुआत करने में सफल रही है। इससे टीम को एक दशक के खिताब मिलने की उम्मीदें प्रबल हो गयी हैं। रोहित शर्मा स्ट्राइक रेट के मामले में अब केवल वीरेंद्र सहवाग से ही पीछे हैं। सहवाग ने 2008 में 120 के स्ट्राइक रेट से 824 रन बनाए थे। वहीं स्ट्राइक रेट के मामले में पहली बार रोहित विराट कोहली से भी आगे निकले हैं।

विराट ने अपने एकदिवसीय करियर में 5 बार 100 से अधिक की स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। वहीं कोहली ने साल 2014 में 104 के स्ट्राइक रेट से 685 रन बनाए थे। तब उन्होंने 3 शतक और 3 अर्धशतक भी लगाये थे। वहीं साल 2023 में कोहली ने अब तक 18 पारियों में 962 रन बनाये हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 103 का रहा है और उन्होंने 4 शतक और 5 अर्धशतक लगाये हैं। दूसरी ओर रोहित ने इस बार 113 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं।

चोट के कारण मैक्सवेल इंग्लैंड मुकाबले से बाहर

अहमदाबाद,
ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी ग्लेन मैक्सवेल सोमवार को गोल्फ से संबंधित घटना में चोट लगने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से बाहर हो गए हैं। यह समझा जाता है कि मैक्सवेल अपने निर्धारित अवकाश के दिनों में शाम को क्लब हाउस से टीम बस की ओर लौटते समय गोल्फ कार्ट के पिछले हिस्से को पकड़ रहे थे, तभी उनकी पकड़ छूट गई। उनके छह से आठ दिनों तक कन्कशन प्रोटोकॉल के तहत रहने की उम्मीद है। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड्स ने कहा वह अपनी दी गई जानकारी के प्रति ईमानदार है। वह अच्छा कर रहा है, वह आज कुछ हल्के अभ्यास शुरू करेगा और हमें लगता है कि यह प्रोटोकॉल खेलने के लिए काफी सीधी वापसी होगी। मान लीजिए कि भाग्यशाली बात यह थी कि कोई अन्य चोट नहीं लगी थी। अभी जो है, उससे कहीं अधिक खराब स्थिति हो सकती थी। उन्होंने कहा सोचिए निष्पक्ष होने के लिए इसने सभी को चौंका दिया जब यह निष्कर्ष निकला कि एक चोट थी और वह एक मैच से चूक जाएगा। पूरे दिन व्यवहार में कुछ भी अप्रिय नहीं था, यह एक स्पष्ट दुर्घटना थी और दुर्भाग्य से, इसमें समझौता हो गया है हम एक टीम के रूप में क्या कर रहे हैं। दुर्भाग्य का मतलब अब यह है कि ऑस्ट्रेलिया को गेंदबाजी और बल्लेबाजी में सक्षम एक ऑलराउंडर की जरूरत होगी, जिसमें मार्कस स्टोइनिस या कैमरून ग्रीन में से किसी एक के आने की संभावना है। मैकडोनाल्ड्स ने कहा वे स्पष्ट रूप से, हमारी बल्लेबाजी के पिछले हिस्से में एक छोटा सा फेरबदल करेंगे और इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह हमारी गेंदबाजी और जिस तरह से ग्लेन ने गेंद के साथ प्रदर्शन किया है उससे थोड़ा समझौता करेगा।

वानखेड़े स्टेडियम में लगी सचिन तेंदुलकर की भव्य प्रतिमा

(एजेंसी)

श्रीलंका के खिलाफ भारत के आगामी विश्व कप मुकाबले से पहले मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में भारत के महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की एक भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया है। यह प्रतिमा स्टेडियम के अंदर सचिन तेंदुलकर स्टैंड के निकट बनाई गई है और इसमें %मास्टर ब्लास्टर% को एक लॉफ्टेड स्ट्रेट ड्राइव में चित्रित किया गया है।

इस कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।इस प्रतिमा को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के प्रसिद्ध चित्रकार और मूर्तिकार प्रमोद कांबले ने डिजाइन किया है।अहमदनगर के प्रसिद्ध मूर्तिकार प्रमोद कांबले ने इस प्रतिमा को बनाया है। कांबले के अनुसार- तेंदुलकर की प्रतिमा 14 फीट ऊंची है। इसमें वह उस क्लासिक मुद्रा में दिखेंगे जिसके लिए वह जाने जाते थे। पहले इस प्रतिमा को एमसीए क्लब में रखा जाना था लेकिन बाद में एमसीए अधिकारियों ने इसे %सार्वजनिक जगह% पर लगाने का फैसला लिया ताकि सभी इसे देख सकें।

कांबले ने कहा कि वह तेंदुलकर से इस बात पर चर्चा करने के लिए मिले थे कि उन्हें खड़े होने वाला पोज चाहिए या एक्शन वाला। उन्होंने अपने हजारों %एक्शन पोज% के फ़ोटो/वीडियो देखे जो सभी अच्छे थे। अंत में उन्होंने लॉफ्टेड ड्राइव एक्शन पोज में सिक्सर शॉट का चयन किया, जिसमें उनका बायां पैर फैला हुआ था, शरीर थोड़ा झुका हुआ था, सिर ऊंचा है। जबकि बल्ला आसमान की ओर इशारा कर रहा है। सही मुद्रा का चयन करने के बाद कांबले ने कई लघु मॉडल बनाए फिर प्रत्येक मॉडल पर चर्चाओं का दौर चला और फिर अंततः उन्होंने अंतिम मॉडल में कांस्य प्रतिमा बनाई जो 1 नवंबर को दिन में प्रकाश में आएगी। बता दें कि तेंदुलकर, जिन्हें 2014 में

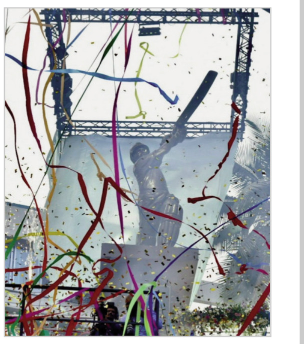

भारत रत्न से सम्मानित किया गया था, 200 टेस्ट मैचों में 15,921 रन, 18,426 एकदिवसीय स्कोर के अनुभवी खिलाड़ी हैं, और उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में अपना विदाई मैच खेला था, जिससे दो दशकों से अधिक के क्रिकेट करियर का अंत हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बाबर के प्रदर्शन से नाराज शाहिद अफरीदी बोले, राहुल और विराट से सीखें

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के दिग्गज ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी टीम के कप्तान बाबर आजम के प्रदर्शन से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि बाबर ने अब तक न ही रन बनाये हैं और न मैच में जीत दिलायी। अफरीदी ने कहा , रन आना अलग बात है और उनका मैच जिताकर जाना दोनों अलग अलग बातें हैं। भारतीय टीम के केएल राहुल और विराट कोहली को देखिए। वो मैदान पर भी रहते हैं, रन भी बनाते हैं, गेंदे भी खेलते हैं और मैच जिताकर जाते हैं पर हमें बाबर में ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं देता है। अफरीदी बोले, बाबर मैदान पर उतरते हैं तो हमें ऐसा लगता ही नहीं है कि ये मैच जिताकर आएंगे। वहीं ऐसा लगता है कि ये 50 रन बनाकर वापस आ जाएगा। हमें एक ऐसा खिलाड़ी चाहिए जो मैच जिताकर वापस आए। हमें सच में एक मैच विजेता खिलाड़ी की जरूरत है। मैं बाबर का प्रशंसक हूं। लेकिन अक्सर वह अपने प्रदर्शन से निराश करते हैं। अगर उन्हें महान वाली कैटेगरी में आना है तो उन्हें अपना शानदार प्रदर्शन दिखाना होगा। आजम का प्रदर्शन विश्व कप में अब तक कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने 7 मैचों में अब तक सिर्फ 216 रन बनाए हैं। इसमें तीन अर्धशतक हैं।

आजम को निशाना बनाने वालों पर भड़के वकार

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनिस ने विश्वकप में टीम के कमजोर प्रदर्शन को लेकर कप्तान बाबर आजम को निशाना बनाने की आलोचना की है। इससे पहले एक अन्य पूर्व क्रिकेटर अजहर अली ने आजम के संदेशों को सार्वजनिक करने के लिए पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की आलोचना की थी। पाक टीम के इस बार सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी तकरीबन समाप्त हो गयी हैं जिससे प्रशंसक और कई अन्य दिग्गज क्रिकेटर भड़के हुए हैं। इसके बाद पीसीबी और कप्तान बाबर के बीच विवाद की बातें भी सामने आयीं। इसमें कहा गया है कि पीसीबी के प्रमुख बाबर आजम का फोन नहीं उठा रहे हैं. इसके बाद पीसीबी प्रमुख ने कहा कि आजम ने उन्हें कोई फोन नहीं किया था और केवल संदेश भेजे थे। पीसीबी प्रमुख ने इन संदेशों को मीडिया के सामने सार्वजनिक भी कर दिया था। इसी को लेकर ही यूनिस भड़के हुए हैं। यूनिस ने सोशल मीडिया पर लिखा, ये क्या कर रहे हैं आप लोग। इस कठिन समय में बाबर को अकेला छोड़ दें। वह पाकिस्तान क्रिकेट की संपत्ति हैं। इससे पहले शोएब मलिक और मो हफीज सहित कई क्रिकेटरों ने बाबर से कप्तानी छोड़ने को कहा था। इनका कहना था कि बाबर कप्तानी छोड़ने के बाद बल्लेबाजी पर ध्यान दे सकते हैं। मीडिया में कप्तान की जो बातें आयी हैं वह जका अशरफ से संबंधित हैं। अशरफ ने जो चैट निजी मीडिया के सामने पेश किये उसमें उसमें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के सीओओ सलमान नसीर और बाबर से हुई बातचीत का जिक्र है।

कभी एक जोड़ी जूते की थी मोहताज, अब 300 इंटरनेशनल हॉकी मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला बनीं वंदना

(एजेंसी)

भारतीय महिला हॉकी टीम की प्लेयर वंदना कटारिया रांची में चल रही वीमेंस एशियन हॉकी चैंपियनशिप के दौरान मंगलवार की शाम जब जापान के खिलाफ खेलने उतरीं तो 300 इंटरनेशनल मैच खेलने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं. रांची के जयपाल सिंह हॉकी स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने इस रिकॉर्ड के लिए उनका इस्तकबाल किया, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने की राह में उन्होंने बेइंतहा मुफलिसी झेली, नंगे पांव दौड़ीं, एक जोड़ी जूतों तक के लिए संघर्ष किया, और तो और दकियानूसी जातिवादी समाज का अपमान भी बर्दाश्त किया. वंदना कहती हैं कि एक दलित परिवार से निकलकर यहां तक कभी नहीं पहुंच पाती, अगर मेरे पिता, परिवार और दोस्तों ने सपोर्ट न किया होता. इस रिकॉर्ड पर स्टेडियम में जब उन्हें हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह और झारखंड के मंत्री बादल पत्रलेख, बन्ना गुप्ता और झारखंड के पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी में सम्मानित किया गया तो वह भावुक हो उठीं. उन्होंने कहा कि उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि वह 300 इंटरनेशनल मैच खेलेंगी. रांची की धरती मेरे लिए यादगार बन गई है. मैं टीम की जर्सी पहनकर बार-बार गर्व से भर उठती हूं. हमारी टीम ने मेरे 300वें मैच को तब और यादगार बना दिया, जब हमने पिछली चैंपियन टीम जापान को रोमांचक मुकाबले में हरा दिया.

यूपी के हरिद्वार की रहने वाली वंदना ने जब हॉकी खेलना शुरू किया था, तो अपने लिए एक हॉकी स्टिक पाना भी उनके लिए बड़ा सपना था.

उनके परिवार के पास इतने पैसे नहीं थे कि वो उन्हें जर्सी या जूते दिला सकें. उनके पड़ोसी और घर के कुछ लोग नहीं चाहते थे कि वह खेलने के लिए घर से बाहर निकलें. उनकी दादी भी चाहती थीं कि वह घर पर झाड़ू-बर्तन करें, लेकिन पहलवान रहे उनके पिता नाहर सिंह कटारिया ने उनकी हिम्मत बंधाई और उन्हें खेल के मैदान पर डटे रहने का हौसला दिया. याद रहे कि टोक्यो ओलंपिक में अर्जेंटीना के खिलाफ भारतीय महिला हॉकी टीम की हार हुई थी, तब भी वंदना के घर के आगे कुछ लोगों ने हंगामा किया था. आरोप है कि उनके परिवार के खिलाफ जातिवादी टिप्पणियां की थी और घर के सामने पटाखे भी छोड़े थे. वंदना ओलंपिक खेलों में हैट्रिक बनाने वाली पहली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी भी हैं.

टीम इंडिया को विश्वकप में कोई टीम टक्कर नहीं दे पायी: स्मिथ

मुंबई ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ भारतीय क्रिकेट टीम की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि इस बार विश्वकप में उसे किसी भी टीम ने टक्कर नहीं दी है। स्मिथ के अनुसार अनुभवी हरफनमौला हार्दिक पंड्या के चोटिल होकर बाहर होने से भी भारतीय टीम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। साथ ही कहा कि विश्व कप में भारतीय टीम अब तक हावी रही है और कोई भी टीम उसे टक्कर नहीं दे पायी है। भारतीय टीम ने अब तक सभी छह मैचों में जीत हासिल कर अंक तालिका में नंबर एक स्थान हासिल किया है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि भारत ने इतना प्रभावशाली प्रदर्शन किया है कि अभी तक टूर्नामेंट में उसे किसी से भी कड़ी टक्कर नहीं मिली है। इंग्लैंड के खिलाफ टीम के केवल 230 रन बनाने के बाद लगा कि वे इस बार मुश्किल में आ जाएंगे पर जिस प्रकार इंग्लैंड टीम आउट हुई उससे साफ हो गया कि वह पिच बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं थी। स्मिथ ने यह भी माना कि एक टीम के रूप में भारत पिछले कुछ साल से घरेलू मैदान पर एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी रहा है।उन्होंने कहा कि घरेलू मैदान पर भारत को हराना हमेशा कठिन होता है। वे अपनी परिस्थितियों में बहुत अच्छा खेलते हैं। उनके पास संतुलित टीम है। इसके साथ ही तेज और स्पिन गेंदबाजी का शानदार मिश्रण है। उन्होंने अपनी सभी कमजोरियों को दूर किया है। दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल कप्तान रहे स्मिथ ने कहा कि हार्दिक के चोटिल होने से भारतीय टीम का संतुलन थोड़ा गड़बड़ा गया था पर उन्होंने एक बल्लेबाज और एक अतिरिक्त गेंदबाज रखकर कमी पूरी कर ली। स्मिथ ने कहा कि भारतीय टीम के पास ऐसे खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है जो इन हालातों से निपटने का तरीका ढूंढ सकते हैं। भारतीय टीम के मैचों में स्टेडियम दर्शकों से पूरी तरह से भरे रहे हैं। स्मिथ ने कहा कि भारतीय टीम ने प्रशंसकों की उम्मीदों का दबाव हावी नहीं होने दिया है।

कैमरून ने महिला फुटबॉल ओलंपिक क्वालीफायर के तीसरे दौर में बनाई जगह

याउंडे. कैमरून ने 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के महिला फुटबॉल अफ्रीकी क्वालीफायर के दूसरे दौर में युगांडा को 3-0 से हराकर प्रतियोगिता के अगले चरण के लिए क्वालीफाई किया। कैमरून के मुख्य कोच जीन बैप्टिस्ट बिसेक ने मंगलवार रात मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम नतीजों से संतुष्ट हैं। हम जानते हैं कि यह सिर्फ शुरुआत है। इसलिए हम शांत रहेंगे और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए काम करना जारी रखेंगे। कैमरून का अगला मुकाबला नौ बार के अफ्रीकी चैंपियन, नाइजीरिया के सुपर फाल्कन्स से होगा। पेरिस में 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में केवल दो टीमें अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करेंगी।

पंड्या की वापसी के बाद अय्यर का बाहर होना तय

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अभी अपनी चोट से उबर रहे हैं पर सेमीफाइनल में उनकी वापसी की उम्मीद है। पंड्या की वापसी के बाद बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को बाहर बैठना पड़ सकता है। इसका कारण है कि अब तक विश्वकप में अय्यर का प्रदर्शन खास नहीं रहा है जबकि आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने पिछले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था। सूर्यकुमार ने अपनी पारी के दौरान 49 रन बनाकर टीम को संभाला था।टीम इंडिया के पूर्व चयनकर्ता जतिन परांजपे ने कहा, हम सभी जानते हैं कि सूर्यकुमार ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच में रोहित का अच्छा साथ दिया। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ गेंदबाजों का अच्छी तरह से सामना किया। वहीं हार्दिक की टीम में वापसी पर केएल राहुल चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर की जगह बल्लेबाजी करने के लिए उपलब्ध हैं। वहीं पूर्व विकेटकीपर और कॉमेंटेटर दीप दास गुप्ता ने कहा कि सूर्यकुमार यह अंदाजा लगाने में सफल रहे थे कि लखनऊ की पिच पर 280 रन के आस-पास का स्कोर बनाना कठिन होगा। ऐसे में विरोध टीम के लिए 240 रन भी पर्याप्त रहेंगे। उन्होंने कहा कि अय्यर अभी अच्छी बल्लेबाजी भी नहीं कर रहे हैं। ऐसे में हालातों को देखते हुए 5वें और छठे क्रम पर सूर्यकुमार या पंड्या में से किसी एक को अवसर मिल सकता है।

अय्यर के अब तक 6 पारियों में 34 की औसत से केवल 134 रन बनाए हैं। वे एक ही अर्धशतक लगा सके हैं। उनका स्ट्राइक रेट 85 का रहा है। वहीं सूर्यकुमार ने अब तक 2 पारियों में 51 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 100 का रहा है।

शमी को उनकी कड़ी मेहनत का फल मिल रहा है : बदरुद्दीन सिद्दीकी

नई दिल्ली। भारत के लिए विश्व कप 2023 के पहले चार मैच नहीं खेलने के बावजूद, मोहम्मद शमी न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ पिछले दो मैचों में अपने महत्वपूर्ण स्पैल से बेहद प्रभावशाली रहे हैं। चाहे धर्मशाला हो या लखनऊ का मैदान, शमी ने गेंद को दोनों तरफ घुमाया है और बल्लेबाजों को तेजी से छकाते हुए (5-54) और (4-22) के खतरनाक स्पैल के साथ वापसी की है।पहले चार मैचों तक बाहर रहने वाले मोहम्मद शमी को चोटिल हार्दिक पांड्या की जगह टीम में मौका मिला। मगर उन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से अब अपनी जगह पक्की कर ली है। शमी के बचपन के कोच बदरुद्दीन सिद्दीकी ने कहा, ÷किसी भी चीज में पूर्णता प्राप्त करने के लिए, आपको बहुत मेहनत करनी होगी और जुनून ऐसा होना चाहिए कि लोग आश्चर्यचकित रह जाएं। जब कोई किसी कौशल में महारत हासिल करने के लिए उस स्तर की कड़ी मेहनत करता है, तब उसे उसका फल भी मिलता है। शमी ने परफेक्ट सीम पोजीशन हासिल करने के लिए काफी मेहनत की है। शमी गेंद को घर ले जाता था और रात में अपने बिस्तर पर लेटते समय, वह गेंद को अपने बेडरूम की दीवार पर फेंकता रहता था। वह कलाई को सीधा रखते थे और इसे सही करने के लिए यह अभ्यास करते थे।अपनी कलाई और सीम की स्थिति को सही करने के लिए शमी की खोज ऐसी थी कि इससे उनके पिता चिंतित थे, लेकिन बदरुद्दीन नहीं। बदरुद्दीन ने कहा, एक बार उसके पिता मुझे अपने घर ले गए और बिस्तर के सामने की दीवार दिखाई जो गेंद के धब्बों से पूरी तरह लाल हो गई थी। वह इस बात से चिंतित थे कि शमी अपनी गेंदबाजी के इस पहलू को बेहतर बनाने के लिए पागल हो रहे हैं। मैंने उनसे कहा, जब बच्चे खेल में कुछ सही करना चाहते हैं, तो वे इसे सही बनाने के लिए इस तरह की चीजें करते हैं और यह भविष्य में फायदेमंद होगा। शमी ने शुरुआती दिनों से ही बहुत मेहनत की है।

ट्यूलिप गार्डन के लिए भी जाना जाने लगा है कश्मीर

अगली बार जब आप कश्मीर में आएं तो डल झील, शिकारे, हाऊसबोटों, पहाड़, बर्फ के अतिरिक्त ट्यूलिप गार्डन को देखना न भूलें। अगर यह कहा जाए कि अगर पहले कश्मीर की पहचान डल झील के कारण हुआ करती थी तो अब ट्यूलिप के बगीचों के कारण ऐसा है तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। आखिर यह बात सच हो भी क्यों न। एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन तो कश्मीर में ही है जिसे देख आने वाले पर्यटकों के मुंह से ये शब्द निकल ही पड़ते हैं: 'वाकई धरती पर अगर कहीं कोई स्वर्ग है तो यहीं है, यहीं है, यहीं है।'

अगली बार जब आप किसी बॉलीवुड फिल्म में ट्यूलिप यानी नलिनी के फूलों के विशाल मैदानों को देखें तो हालैंड के बारे में आपको सोचने की जरूरत नहीं है। अपने राज्य जम्मू कश्मीर में भी इन दिनों ट्यूलिप रंग-बिरंगे अवतार में दिखाई दे रहे हैं और अब यह एशिया के सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन माना जाने लगा है। कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर की डल झील के किनारे जब्रवान की पहाड़ियों पर स्थित सिराजबाग में इन दिनों रंग-बिरंगे ट्यूलिप खिले हैं। इस पहाड़ी पर दूर-दूर तक फैले इस उर्वर मैदान पर ट्यूलिप खिले हुए हैं। पीले, सफेद, गुलाबी, बैंगनी, लाल, नीले रंगों के ट्यूलिप यहां के माहौल में रुमानियत घोल रहे हैं। कश्मीर घाटी के इस पहले ट्यूलिप गार्डन की दिलकश छटा लोगों को मोहित कर रही है। इन खूबसूरत ट्यूलिप मैदानों से यहां का माहौल रूमानी हो गया है। कश्मीर के अधिकारी इन फूलों की बहार से बेहद उत्साहित हैं। उन्हें इस सम्भावना से संतोष हुआ है कि यह एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप का ठिकाना बन गया है। हालैंड से 60 प्रजातियों के ट्यूलिप यहां लाए गए हैं। अधिकारियों को खुशी इस बात की है कि बदले हुए माहौल में भी ट्यूलिप के फूल यहां पूरे यौवन के साथ खिल गए।ट्यूलिप को ट्यूलिपा भी कहा जाता है। लिलियासा फूल परिवार की करीब 100 किस्मों में ट्यूलिप भी एक किस्म मानी जाती है। यह अधिकतर दक्षिणी यूरोप, नार्थ अफ्रीका और इरान में पैदा होता है। इसकी पैदावार बीज की बजाय केसर की ही तरह होती है। डल झील का इतिहास सदियों पुराना है। पर ट्यूलिप गार्डन का मात्र दो साल पुराना। मात्र दो साल में ही यह उद्यान अपनी पहचान को कश्मीर के साथ यूं जोड़ लेगा कोई सोच भी नहीं सकता था। डल झील के सामने के इलाके में सिराजबाग में बने ट्यूलिप गार्डन में ट्यूलिप की 60 से अधिक किस्में आने-जाने वालों को अपनी ओर आकर्षित किए बिना नहीं रहतीं। यह आकर्षण ही तो है कि लोग बाग की सैर को रखी गई 80 से 100 रुपए की फीस देने में भी आनाकानी नहीं करते। दिल्ली से आई सुनिता कहती हैं कि किसी बाग को देखने का यह चार्ज ज्यादा है पर भीतर एक बार घूमने के बाद लगता है यह तो कुछ भी नहीं है। सिराजबाग हरवान-शालीमार और निशात चश्माशाही के बीच की जमीन पर करीब 700 कनाल एरिया में फैला हुआ है। यह तीन चरणों का प्रोजेक्ट है जिसके तहत अगले चरण में 1360 और 460 कनाल भूमि और साथ में जोड़ी जानी है। शुरू-शुरू में इसे शिराजी बाग के नाम से पुकारा जाता था। असल में महाराजा के समय उद्यान विभाग के मुखिया के नाम पर ही इसका नामकरण कर दिया गया था। पर अब यह शिराज बाग के स्थान पर ट्यूलिप गार्डन के नाम से अधिक जाना जाने लगा है। कहा जाता है कि 1947 से पहले सिराजद्दीन नामक एक व्यक्ति घाटी का मशहूर फल उत्पादक था। उसके पास 650 कनाल से ज्यादा जमीन पर फैला फलों का एक बाग था, जिसमें वह सेब, अखरोट, खुबानी और बादाम का उत्पादन किया करता था। ये बाग जब्रवान पहाड़ियों के दामन में स्थित था (जहां आजकल बाटोनिकल गार्डन और ट्यूलिप गार्डन है)। इस बाग का नाम उसके नाम से ही मशहूर था।

पास ही रहने वाले एक 70 वर्षीय बुजुर्ग अहमद गनेई ने उन दिनों को याद करते हुए बताया कि हम इस बाग को सिराज बाग के नाम से जानते थे। जहां पर हर तरफ सेब, अखरोट, बादाम और खुबानी के पेड़ फैले हुए थे। इस बाग की देखरेख खुद मलिक सिराजद्दीन को बरसे में मिली थी। कहा जाता है कि 1947 में भारत-पाक विभाजन के दौरान मलिक सिराजद्दीन अपनी सारी संपत्ति को छोड़ परिवार सहित पाकिस्तान चला गया। उसके चले जाने के बाद स्थानीय लोगों ने इस बाग पर कब्जा कर लिया और तकरीबन 13 वर्षो तक उनके कब्जे में रहने के बाद 1960 में कश्मीर के तत्कालीन मुख्यमंत्री गुलाम मुहम्मद सादिक ने इस बाग को अपने कब्जे में ले लिया। तब से ये जमीन सरकार के कब्जे में ही रही। 2007 में 32 कनाल जमीन पर पहला ट्यूलिप गार्डन बनाया गया। उस वक्त सिराज बाग का नाम तबदील करके गुल-ए-लाला या ट्यूलिप गार्डन रखा गया। वर्ष 2008 में इस बाग को 100 कनाल तक बढ़ाया गया, जबकि तीसरे चरण में इस बाग को और बढ़ाने की योजना है।

जब-जब इस बाग को बढ़ाया गया तब-तब इसके नाम भी तबदील होते रहे। लेकिन स्थानीय लोग आज भी इसे सिराज बाग कहते हैं। पिछ्ली बार की ही तरह इस बार भी 4 लाख से अधिक ट्यूलिप बाग में किसी फसल की तरह लहरा रहे हैं। ट्यूलिप के तीन लाख बल्ब पिछले साल हालैंड से खरीदे गए थे। इस साल डेढ़ लाख और की जरूरत इसलिए पड़ गई क्योंकि सिराज बाग को एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन जो बनाना था। ट्यूलिप पर फूल खिलने का समय मार्च से मई महीने के बीच का है और इन दो महीनों में ही यह अपना रिकार्ड तोड़ देता है। पिछले साल कश्मीर आए 15 लाख टूरिस्टों में से शायद ही कोई ऐसा होगा जो इस बाग के दर्शनों को नहीं गया हो। जब्रवान पहाड़ियों की तलहटी में स्थित ट्यूलिप गार्डन में खिलने वाले सफेद, पीले, नीले, लाल और गुलाबी रंग के ट्यूलिप के फूल आज नीदरलैंड में खिलने वाले फूलों का मुकाबला कर रहे हैं। फूल प्रेमियों के लिए ये नीदरलैंड का ही माहौल कश्मीर में इसलिए पैदा करते हैं क्योंकि भारत भर में सिर्फ कश्मीर ही एकमात्र ऐसा स्थान है जहां पर मार्च से लेकर मई के अंत तक तीन महीनों के दौरान ये अपनी छटा बिखेरते हैं। रोचक बात यह है कि पिछले साल ट्यूलिप गार्डन के आकर्षण में बंध कर आने वालों की भीड़ से चकित होकर कश्मीर के किसानों ने भी अब ट्यूलिप के फूलों की खेती में हाथ डाल लिया है। वे इस कोशिश में कामयाब भी हो रहे हैं कि जिन केसर क्यारियों में बारूद की गंध 26 सालों से महक रही हो वहां अब ट्यूलिप की खुशबू भी हो चाहे वह कम अवधि के लिए ही क्यों न हो। यह सच है कि अभी तक कश्मीर में डल झील और मुगल गार्डन- शालीमार बाग, निशात और चश्माशाही ही आने वालों के आकर्षण का केंद्र थे और कश्मीर को दुनिया भर के लोग इसलिए भी जानते थे। लेकिन अब वक्त ने करवट ली तो ट्यूलिप गार्डन के कारण कश्मीर की पहचान बनती जा रही है। चाहे इसके लिए डल झील पर मंडराते खतरे से उत्पन्न परिस्थिति कह लिजिए या फिर मुगल उद्यानों की देखभाल न कर पाने के लिए पैदा हुए हालत की कश्मीर अब ट्यूलिप गार्डन के लिए जाना जाने लगा है।

विदेशी सैलानियों को लुभा रहा हैं राजस्थान...

पर्यटकों को लुभाने में राजस्थान अग्रणी राज्य बनता जा रहा है। खासतौर से विदेशी सैलानियों के लिए रणबांकुरों, त्याग, तपस्या तथा बलिदान की अनूठी गाथाओं को अपने अंचल में समेटे शौर्य और साहस की इस धरती पर घूमने आना एक सुखद अनुभव होता है। राजस्थान घूमने के दौरान पर्यटक राजा-महाराजाओं के इतिहास, उनकी जीवन शैली एवं प्रदेश की कला संस्कृति को ही नहीं देखना चाहते, बल्कि उससे परिचित भी होना चाहते है। प्रदेश के पर्यटक स्थल, कला तथा संस्कृति के साथ यहां का समृद्व साहित्य भी सैलानियों को आकर्षित करता है। राजस्थान की रंगीली धरती के रंग भी निराले है। कहीं ऊंची नीची अरावली की पहाड़ीं यां है, तो कहीं गुरुशिखर और कहीं पठार और मैदान हैं। राजा-महाराजाओं के इतिहास तथा शौर्य को दर्शाते चितौडगढ़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, लोहागढ, तथा बालाकिला जैसे विशाल किले तथा दुर्ग और प्राचीन हवेलियों पर उत्कीर्ण स्थापत्य कला सैलानियों के दिल को छूकर राजस्थान के गौरव से परिचित कराती हैं। रणथंभौर, सरिस्का केवलादेव तथा तालछापार जैसे अभयारण्य वन्य जीव तथा पक्षी प्रेमियों को लुभाते है। सांस्कृतिक वैभव ऐसा है कि जो एक बार राजस्थान आता है वह बार-बार इस धरा पर आने की तमन्ना रखता है। राज्य में पर्यटन प्रोत्साहन एवं संवर्द्धन के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राज्य सरकार की ओर से उठाए गए कारगर कदमों का परिणाम है कि विदेशी सैलानियों को लुभाने में राजस्थान देश के शीर्ष पांच राज्यों में शुमार है। भारत आने वाले सौ सैलानियों में से 7 सैलानी पर्यटन के लिए राजस्थान को चुनते है।

राज्य सरकार की ओर से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों से 13 दिसंबर 2008 से 31 अक्टूबर 2012 तक पिछले चार सालों के दौरान राज्य में 49 लाख 30 हजार विदेशी पर्यटक आए, जबकि इस अवधि में राजस्थान आने वाले देशी पर्यटकों की तादाद 1050 लाख 67 हजार रही। पर्यटन विभाग के अनुसार 8 दिसंबर 2003 से 31 अक्टूबर 2007 तक पूर्ववर्ती सरकार के चार वर्षो के दौरान प्रदेश में 42 लाख 59 हजार विदेशी सैलानी आए थे एवं इसी अवधि में 789 लाख एक हजार देशी सैलानी राजस्थान में पर्यटन के लिए भ्रमण पर आए थे। सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की है, जिससे घरेलू एवं विदेशी सैलानियों में राज्य के पर्यटन स्थल देखने के प्रति आकर्षण बढ़ा है। सैलानियों को लुभाने के लिए ग्रामीण पर्यटन पर जोर देकर 26 जिलों के 27 गांव विकसित किए गए हैं। इसमें वर्ष 2009-10 एवं 2010-11 में 7 जिलों के 8 गांवों में विकास कार्य पूरे कराए गए, जिन पर 375 लाख रुपए खर्च हुए। वर्ष 2011-12 में 12 जिलों के 12 गांवों में 600 लाख रुपए के तथा चालू वर्ष 2012-13 में 7 जिलों के 7 गांवों में 350 लाख रुपए के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। महानगरों में रहने वाले लोग आपाधापी की इस व्यस्त जिंदगी में कुछ समय गांव की माटी से रू..ब..रू होकर अपने परिवार को सुकून देना चाहते हैं, इससे ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नवाचार अपनाने में भी राजस्थान आगे रहा है। ट्रेन टूरिज्म में राजस्थान की सिरमौर स्थिति को और मजबूत करते हुए पैलेस ऑन व्हील्स की तर्ज पर रेल मंत्रालय के सहयोग से रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स नाम से दूसरी पर्यटक रेल 11 जनवरी 2009 से शुरू की गई है। इसके अलावा जयपुर में द ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार 2009 में 19 से 21 अप्रैल, वर्ष 2010 में 11 से 13 अप्रैल तथा वर्ष 2011 में 17 से 19 अप्रैल तक सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह मार्ट भारत में किसी भी राज्य सरकार की ओर से प्रायोजित पहला अंतरराष्ट्रीय ट्रेवल मार्ट है। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से पर्यटन विभाग ने पहली बार आभानेरी उत्सव का आयोजन 29 से 31 दिसंबर 2008 को चांद बावडी, आभानेरी दौसा में किया। राजस्थान को साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में स्थापित करने के दृष्टिकोण से पुष्कर मेले के दौरान 17 से 20 नवंबर 2010 तक अंतराष्ट्रीय हॉट एयर बैलून उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 8 देशों की बैलून टीमों ने हिस्सा लिया। अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव का आयोजन पिछले साल 5 से 7 जनवरी तक उदयपुर में किया गया, जिसमें देश-विदेश के ख्याति प्राप्त पतंगबाजों ने भाग लिया।

साल 2012 में अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव राजस्थान दिवस समारोह में 28 से 30 मार्च तक आयोजित किया गया, जिसमें देशी तथा विदेशी ख्याति प्राप्त पतंगबाजों ने जौहर दिखाए। राज्य सरकार की ओर से सैलानियों को आकर्षित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है कि चार वर्षो के दौरान राजस्थान को 17 पुरस्कारों से नवाजा गया है।

पर्यटन क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से राज्य सरकार ने पर्यटन इकाई नीति 2007 की अवधि मार्च 2013 तक बढ़ाई है।

इस नीति के तहत पर्यटन इकाइयों के लिए ग्रामीण इलाकों में सरकारी जमीन भूमि का आवंटन, स्थानीय डीएलसी दरों पर किया जा रहा है। एग्रो प्रोसेसिंग इकाइयों की तरह पर्यटन इकाइयों के लिए जिला कलेक्टर को 10 हैक्टेयर तक भूमि का रूपांतरण करने के अधिकार दिए गए हैं। प्रदेश में विशेष पर्वो एवं धार्मिक स्थलों के मेलों के सुचारू आयोजन एवं धार्मिक स्थलों पर जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा यात्रा के दौरान आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय मेला प्राधिकरण का गठन किया गया है। राज्य में पर्यटन इकाइयों की 803 परियोजनाएं अनुमोदित की गई हैं, जिनमें लगभग 6143.37 करोड रुपए के विनियोजन की संभावना है।राजस्थान की कला-साहित्य एवं संस्कृति सबसे समृद्व एवं गौरवशाली रही है। यहां की वीर प्रसूता भूमि के कण-कण में कला-संस्कृति रची-बसी हुई है। यूनेस्को ने जयपुर के जंतर-मंतर को वर्ल्ड हेरिटेज साइट सूची में शामिल किया है। चित्तौडगढ़ किला एवं बाडमेर के किराडू मन्दिर समूह को इस सूची में शामिल कराने के लिए पर्यटन विभाग की ओर से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग नई दिल्ली को प्रस्ताव भेजे गए हैं। इसके अलावा राज्य में स्थित ऐतिहासिक बावर्ड़ी यों एवं किलों का यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट पर सीरियल नोमिनेशन दर्ज कराने के क्रम में गागरोन किला, झालावाड़, रणथंभौर, सवाई माधोपुर, कुंभलगढ़, राजसमंद, आमेर, जयपुर तथा चित्तौडगढ़ किले के डोजियर तैयार करके यूनेस्को को भेजे गए हैं। पुरातत्व एवं संग्रहालय के तहत प्रदेश के ऐतिहासिक स्मारकों, प्राचीन धरोहरों तथा संग्रहालयों में संरक्षण, जीर्णोद्वार, सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्य कराए गए हैं।

चम्बा की घाटी

विख्यात कलापारखी डॉ. बोगल ने चम्बा को यों ही ÷अचम्भा÷ नहीं कह डाला था और सैलानी भी यों ही इस नगरी में नहीं खिंचे चले आते। चम्बा की वादियों में कोई ऐसा सम्मोहन ज़रूर है जो सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर देता है और वे बारङ्क्षबार यहाँ दस्तक देने को लालायित रहते हैं। यहाँ मंदिरों से उठती धार्मिक गीतों की स्वरलहरियों जहाँ परिवेश को आध्यात्मिक बना देती हैं, वहीं रावी नदी की मस्त रवानगी और पहाड़ों की ओट से आते शीतल हवा के झोंके सैलानी को ताज़गी का अहसास कराते हैं। चम्बा में कदम रखते ही इतिहास के कई वर्क पंख फड़फड़ाने लगते हैं और यहाँ की प्राचीन प्रतिमाएँ संवाद को आतुर प्रतीत हो उठती हैं। चम्बा इतिहास, कला, धर्म और पर्यटन का मनोहारी मेल है और चम्बा के लोग अलमस्त, फक्कड़ तबीयत के। चम्बा की खूबसूरत वादियों को ज्योंङ्क्षज्यों हम पार करते जाते हैं, आश्चर्यों के कई नये वर्क हमारे सामने खुलते चले जाते हैं और प्रकृति अपने दिव्य सौंदर्य की झलक हमें दिखाती चलती है। चम्बा की किसी दुर्गम वादी में अगर कोई पंगवाली युवती मुस्करा कर हमारा अभिवादन करती है तो किसी वादी में कोई गद्दिन युवती अपनी भेड़ङ्क्षबकरियों के रेवड़ के साथ गुज़रती हुई अपनी मासूमियत से हमारा दिल जीत जाती है। चम्बा के सौंदर्य को बड़ी शिद्दत से आत्मसात करने के बाद ही डॉ. बोगल ने इसे अचंभा कहा होगा।

चम्बा को यह सौभाग्य प्राप्त रहा है कि इसे एक से बढ़कर एक कलाप्रिय, धार्मिक व जनसेवक राजा मिले। इन राजाओं के काल में यहाँ की लोक कलाएँ न केवल फलीङ्क्षफूलीं अपितु इनकी ख्याति चम्बा की सीमाओं को पार कर पूरे भारत में फैली। इन कलाप्रिय नरेशों में राज श्री सिंह (1844), राजा राम सिंह (1873) व राजा भूरि सिंह (1904) के नाम विषेश रूप से उल्लेखनीय हैं। वास्तुकला हो या भित्तिचित्र कला, मूर्तिकला हो या काष्ठ कला, जितना प्रोत्साहन इन्हें चम्बा में मिला, शायद ही ये कलाएँ देश में कहीं अन्यत्र इतनी विकसित हुई हों। ÷चम्बा कलम÷ (विशेष कला शैली = चित्र दाहिनी ओर) ने तो देश भर में एक अलग पहचान बनाई है। किसी घाटी की ऊंचाई पर खड़े होकर देखें तो समूचा चम्बा शहर भी किसी अनूठी कलाकृति की तरह ही लगता है। ढलानदार छत्तों वाले मकान, शिखर शैली के मंदिर, हराङ्क्षभरा विशाल चौगान और इसकी पृष्ठभूमि में यूरोपीय प्रभाव लिए महलों का वास्तुशिल्प सहसा ही मन मोह लेता है। चम्बा में पहुंचते ही रजवाड़ाशाही के दिनों में लौटने की कल्पना भी की जा सकती है और यहाँ के प्राचीन रंगमहल व अखंडचंडी महल में घूमते हुए अतीत की पदचाप भी सुनी जा सकती है। चम्बा के संस्थापक राजा साहिल वर्मा ने 920 ई .में इस शहर का नामकरण अपनी बेटी चंपा के नाम पर क्यों किया था, इस बारे में एक बहुत ही रोचक किंवदंती प्रचलित है। कहा जाता है कि राजकुमारी चंपावती बहुत ही धार्मिक प्रवृत्ति की थी और नित्य स्वाध्याय के लिए एक साधू के पास जाया करती थी। एक दिन राजा को किसी कारणवश अपनी बेटी पर संदेह हो गया। शाम को जब साधू के आश्रम में बेटी जाने लगी तो राजा भी चुपके से उसके पीछे हो लिया। बेटी के आश्रम में प्रवेश करते ही जब राजा भी अंदर गया तो उसे वहाँ कोई दिखाई नहीं दिया। लेकिन तभी आश्रम से एक आवाज़ गूँजी कि उसका संदेह निराधार है और अपनी बेटी पर शक करने की सज़ा के रूप में उसकी निष्कलंक बेटी छीन ली जाती है। साथ चम्बा नगर की ऐतिहासिक चौगानही राजा को इस स्थान पर एक मंदिर बनाने का आदेश भी प्राप्त हुआ। चम्बा नगर के ऐतिहासिक चौगान (चित्र में) के पास स्थित इस मंदिर को लोग चमेसनी देवी के नाम से पुकारते हैं। वास्तुकला की दृष्टि से यह मंदिर अद्वितीय है। इस घटना के बाद राजा साहिल वर्मा ने नगर का नामकरण राजकुमारी चंपा के नाम पर किया, जो बाद में चम्बा कहलाने लगा।चम्बा में मंदिरों की बहुतायत होने के कारण इसे ÷मंदिरों की नगरी÷ भी कहा जाता है। चम्बा में लगभग 75 मंदिर हैं और इनके बारे में अलगङ्क्षअलग किंवदंतियाँ हैं। इनमें से कई मंदिर शिखर शैली के हैं और कई पर्वतीय शैली के। शिल्प व वास्तुकला की दृष्टि से ये मंदिर अद्वितीय हैं। लक्ष्मीनारायण मंदिर समूह तो चम्बा को सर्वप्रसिद्ध देवस्थल है। इस मंदिर समूह में महाकाली, हनुमान, नंदीगण के मंदिरों के साथङ्क्षसाथ विष्णु व शिव के तीनङ्क्षतीन मंदिर हैं। सिद्ध चर्पटनाथ की समाधि भी यहीं है। मंदिर में अवस्थित लक्ष्मीनारायण की बैकुंठ मूर्ति कश्मीरी व गुप्तकालीन निर्माण कला का अनूठा संगम है। इस मूर्ति के चार मुख व चार हाथ हैं। मूर्ति की पृष्ठभूमि में तोरण है, जिस पर 10 अवतारों की लीला चित्रित है। भगवान वासुदेव की मूर्तिचम्बा कलानगरी भी कहलाती है। यहाँ भूरिसिंह नाम का संग्रहालय है जहाँ चम्बा घाटी की हर कला सुशोभित है। भारत के 5 प्राचीन प्रमुख संग्रहालयों में से एक माने जाने वाला यह संग्रहालय शहर के ऐतिहासिक चौगान में स्थित है और विश्व भर के पर्यटकों, शोधार्थियों व कलाप्रेमियों के आकर्षण का केंद्र है। इस संग्रहालय में 5 हज़ार से अधिक ऐसी दुर्लभ कलाकृतियाँ हैं जो इस तथ्य की साक्षी हैं कि उस समय चम्बा की कला अपने स्वर्णिम युग में थी। इन कलाकृतियों में भित्तिचित्र भी हैं और मूर्तियाँ भी, पांडुलिपियाँ भी हैं और विभिन्न धातुओं से निर्मित वस्तुएँ भी। यही नहीं, प्राचीन सिक्के और आभूषण भी बड़ी सँभाल के साथ यहाँ रखे गए है। विश्व प्रसिद्ध ÷चम्बा रूमाल÷ भी यहाँ शीशे के बक्सों में देखा जा सकता है। संग्रहालय में रखी गई मूर्तियाँ उन्नत शिल्प कला का बेजोड़ उदाहरण हैं। इनमें से एक मूर्ति भगवान वासुदेव की हैं (चित्र दायीं ओर)। यह मूर्ति इस संग्रहालय की सुरक्षित प्रस्तर प्रतिभाओं में से सब से छोटी है। चम्बा की कलात्मक धरोहर में यहाँ की पनघट शिलाओं को भी शामिल किया जा सकता है। ये शिलाएँ चम्बा जनपद के ग्रामीण आंचलों में बनी बावड़ियों और नौणा जैसे प्राकृतिक जल स्त्रोतों के किनारे आज भी प्रतिष्ठित देखी जा सकती हैं। घाटियों में घूमता कोई घुमक्कड़ जब अपनी प्यास बुझाने इन जल स्त्रोतों के पास पहुंचता है तो वहाँ रखी पनघट शिलाओं के कलात्मक शिल्प और इन पर खुदी आकृतियों को देखकर दंग रह जाता है। ये शिलाएँ चम्बा की गौरवपूर्ण संस्कृति व इतिहास का आइना भी हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अरब लीग, मिस्र व जॉर्डन ने की गाजा शरणार्थी शिविर पर हमले की निंदा

काहिरा ।अरब लीग, मिस्र व जॉर्डन ने इजरायल द्वारा गाजा शरणार्थी शिविर पर हमले की निंदा की है। मिली जानकारी के अनुसार अरब लीग (एएल) के महासचिव अहमद अबुल-घेत ने उत्तरी गाजा पट्टी में जबालिया शरणार्थी शिविर पर घातक इजरायली हवाई हमले की कड़ी निंदा की है।एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को एक बयान में एएल प्रमुख ने कहा कि यह गाजा में भयंकर अपराध है और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अब चुप नहीं रहना चाहिए।इस बीच, मिस्र के विदेश मंत्रालय ने भी एक बयान में कहा कि हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है।जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने भी हमले की निंदा करते हुए कहा कि जॉर्डन ने खतरनाक घटनाक्रम के लिए इजरायल को जिम्मेदार ठहराया है। वेस्ट बैंक में इजरायल द्वारा लगातार बढ़ाए जा रहे तनाव और फिलिस्तीनी नागरिकों पर इजरायली निवासियों के बढ़ते हमलों की भी निंदा की। इसने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से अपनी जिम्मेदारी मानने, चल रहे संघर्ष को रोकने और फिलिस्तीनियों को अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा प्रदान करने का भी आह्वान किया। यहां गौरतलब है कि इजरायली युद्धक विमानों ने मंगलवार को घनी आबादी वाले जबालिया शरणार्थी शिविर पर हमला किया था। हमले के बाद, गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस हमले में 50 से ज्यादा लोग मारे गए, जबकि लगभग 150 अन्य घायल हो गए।हमले से दर्जनों अन्य लोग मलबे के नीचे दब गए।

आत्मघाती हमले की धमकी देने वाली महिला को पुलिस ने गोली से उड़ाया

पेरिस।पेरिस पुलिस ने एक महिला को ट्रेन में गोली मार दी।एक-दो नहीं बल्कि 8 गोलियां दाग दी।गनीमत रही महिला की मौत नहीं हुई लेकिन गंभीर रुप से घायल हो गई है।उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है।माना जा रहा है ?कि महिला आत्मघाती हमले की धमकी दे रही थी,इससे गुस्से पुलिस के जवानों ने उस पर गोलियां दाग दीं।पेरिस अभियोजक कार्यालय ने बताया कि महिला पर दो पुलिस अधिकारियों ने मिलकर आठ गोलियां चलाईं जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। इसने कहा कि महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला पर आतंकवाद का समर्थन करने और पुलिस को धमकी देने के आरोपों में मामला दर्ज किया गया है। अभियोजक कार्यालय के अनुसार, महिला ने अबाया पहन रखा था।अबाया मुख्य रूप से मुस्लिमों द्वारा पहना जाता है।फ्रांस में सुरक्षा संबंधी यह नवीनतम घटना है जहां 13 अक्टूबर को एक स्कूल में एक इस्लामी चरमपंथी द्वारा चाकूबाजी किए जाने के बाद आतंकवाद के खिलाफ अलर्ट जारी है।

इजरायल के हमलों से बच्चों की मौत पर यूनिसेफ ने जताई चिंता

जिनेवा ।इजरायल के हमलों से बच्चों की मौत पर संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने चिंता जताई है।यूनिसेफ ने गाजा पट्टी में इजरायल की तरफ से लगातार जारी बमबारी में बच्चों की मौत की बढ़ती संख्या को दुखदायी बताया है।यूनिसेफ के प्रवक्ता जेम्स एल्डर ने स्विस शहर जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र की प्रेस वार्ता में कहा कि गाजा में बच्चे न केवल हवाई हमलों के कारण मर रहे हैं, बल्कि मेडिकल सुविधाओं की कमी के कारण भी मर रहे हैं। प्रवक्ता ने अफसोस जताया कि बच्चों की मौत का आंकड़ा 3,450 से अधिक हो गया है।एल्डर ने चेतावनी देते हुए कहा कि आश्चर्यजनक रूप से यह संख्या हर दिन काफी बढ़ रही है।अब तो गाजा बच्चों का कब्रिस्तान बन गया है।वहीं जिंदा बचे लोगों के लिए एक नरक बन गया है।आंकड़े बताते हैं कि पिछले 4 वर्षों में वैश्विक संघर्षों में वार्षिक कुल संख्या की तुलना में गाजा में तीन सप्ताह में अधिक बच्चे मारे गए हैं। यूनिसेफ प्रवक्ता ने गाजा में पानी और अन्य खतरों को रेखांकित करते हुए कहा कि बच्चों के लिए खतरा बमों से भी ज्यादा है।उन्होंने चेतावनी दी कि गाजा में 1 मिलियन से अधिक बच्चों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ा, क्योंकि गाजा का दैनिक जल उत्पादन इसकी उत्पादन क्षमता का महज 5 प्रतिशत है। इसके चलते डीहाइड्रेशन और प्यास के कारण भी बच्चों की मौत हो रही है। गौरतलब है कि इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध को 25 दिन हो चुके हैं। गाजा पट्टी में लगातार हो रहे हमलों में अब तक लगभग 3,500 बच्चों सहित 8,500 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। वहीं 21,000 से अधिक फिलिस्तीनी घायल हुए हैं।गाजा में अधिकारियों का कहना है कि हमलों में नष्ट हुई इमारतों के मलबे के नीचे 1,000 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।

हमास की कसाम ब्रिगेड को बताया जा रहा है दुनिया की सबसे हाइटेक आर्मी

गाजा ।इजरायल और हमास की जंग में दुनिया की सबसे हाइटेक आर्मी कसाम ब्रिगेड से इजरायल की सेना मुकाबला कर रही है।हालांकि युद्ध को तीन हफ्ते से ज्यादा हो गए हैं।7 अक्टूबर को इजरायल में हमास के हमले के बाद से गाजा में लगातार ये संघर्ष चल रहा है। इजरायल में हमले करने के पीछे हमास की अलग-अलग शाखाओं का नाम सामने आया है।इसमें एक प्रमुख नाम कसाम ब्रिगेड है। ये हमास की मिलिट्री विंग है। 1992 में बनी इस विंग का काम ही इजरायल से सशस्त्र लड़ाई लड़ना है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से जब सैनिक हमास और उसकी सभी विंग को खत्म करने की कसम खाई गई तो इसका जवाब कसाम ब्रिगेड की ओर से आया।कसाम प्रवक्ता अबू आबदेह ने कहा कि जमीनी आक्रमण हमें डराता नहीं है। हम इजरायल को जवाब देने के लिए तैयार हैं।कसाम की ओर से इस प्रतिक्रिया के बाद सवाल उठ रहा है कि इजरायल से लड़ने का दम भर रही हमास की ये विंग बहुत खतरनाक है। विश्लेषकों का कहना है कि जमीनी लड़ाई में कसाम के लड़ाके सुरंगों के नेटवर्क का इस्तेमाल करके इजरायली सैनिकों के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। जानकार बताते हैं कि हरकत अल-मुकावामा अल-इस्लामिया यानी हमास का गठन शेख अहमद यासीन ने 1987 में मिस्र के मुस्लिम ब्रदरहुड की एक शाखा के तौर पर किया था।हमास के गठन के कुछ साल में ही इसकी लोकप्रियता फिलीस्तीन में हो गई। इसके बाद इसकी एक आर्मी विंग बनाने का फैसला लिया गया। हमास ने फिलिस्तीन पर इजरायली कब्जे के खिलाफ सशस्त्र लड़ाई लड़ने के लिए 1992 में अपनी सैन्य इकाई कसाम ब्रिगेड की स्थापना की।जिसका नाम सीरियाई स्वतंत्रता सेनानी एजेदीन अल-कसम से लिया गया है।कसाम ब्रिगेड को गाजा के सबसे बड़े और सबसे सुसंगठित सशस्त्र समूह के तौर पर जाना जाता है।कसाम का सैन्य कमांडर मोहम्मद दीफ और डिप्टी कमांडर मारवान इस्सा है।कसाम ब्रिगेड अपने गठन के बाद से ही इजरायल के खिलाफ हमलों को अंजाम देता रहा है।

थाई नागरिकों की रिहाई के लिए हमास से बात करेंगं अब्दुल्लाहियन

तेहरान, ।ईरान के विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन ने कतर में थाईलैंड के विदेश मंत्री पारनप्री बहिधा-नुकारा से मुलाकात की और बंधक बनाए गए थाईलैंड के नागरिकों की रिहाई के लिए फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करने की बात कही।ईरानी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।गौरतलब है कि इस सप्ताह की शुरुआत में मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि श्री पारनप्री गाजा पट्टी में हमास द्वारा बंधक बनाए गए थाईलैंड नागरिकों की रिहाई में मदद लेने के लिए कतर और मिस्र के अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे।न्यूज एजेंसी मेहर ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में बताया कि बैठक के दौरान थाईलैंड के शीर्ष राजनयिक ने गाजा पट्टी में हाल के गटित हुयी घटना पर चिंता व्यक्त की और अपने ईरानी विदेश मंत्री से थाईलैंड के नागरिकों की रिहाई में सहायता करने के लिए कहा। इसके बाद श्री अमीर बदोल्लाहियन ने श्री पारनप्री के संदेश को हमास तक पहुंचाने का वादा किया। थाईलैंड के अधिकारियों के अनुसार हमास द्वारा बंधक बनाए गए विदेशियों में सबसे अधिक थाईलैंड के नागरिक हैं।हमास ने थाईलैंड के 22 नागरिकों को बंधक बनाया है।वहीं बंधकों की कुल संख्या 240 से अधिक हो गई है, जिनमें से ज्यादातर इजरायली हैं।

पाकिस्तान से विदेशियों को निकालने के फैसले से मानवीय संकट उत्पन्न हो सकता है: मानवाधिकार संगठन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के जाने माने मानवाधिकार संगठनों ने बिना दस्तावेज वाले विदेशियों को निष्कासित करने के सरकार के फैसले पर चिंता प्रकट करते हुए मंगलवार को चेतावनी दी कि इससे 'मानवीय संकट' पैदा हो जाएगा। ऐसे लोगों में ज्यादातर अफगान नागरिक हैं।

इस माह के प्रारंभ में अंतिरम सरकार ने बिना दस्तावेज वाले सभी प्रवासियों को 31 अक्टूबर तक पाकिस्तान छोड़ देने अन्यथा जेल में डाल दिये जाने या देश से निकाल दिये जाने का जोखिम उठाने के लिए तैयार रहने का अल्टीमेटम दिया था। इस कदम की कई स्थानीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों एवं तालिबान के नेतृत्व वाली अफगान सरकार ने आलोचना की। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग की अध्यक्ष हीना जिलानी ने संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त फिलिप्पो ग्रांडी को पत्र भेजकर कहा है कि अफगानों को निष्कासित करने के पाकिस्तान के फैसले से मानवीय संकट पैदा हो सकता है। महिला की स्थिति को लेकर गठित राष्ट्रीय आयोग ने भी गृहमंत्री को पत्र लिखकर अफगानिस्तान की करीब 25 लाख विधवाओं को लेकर चिंता प्रकट की है जो आजीविका के लिए पाकिस्तान आ गयी थीं।

पाकिस्तान से लाखों अफगान लोगों को निकाले जाने की कार्रवाई को रोके संयुक्त राष्ट्र : भारतीय समुदाय

अमेरिका में भारतीय समुदाय की एक संस्था ने अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान से लाखों अफगान नागरिकों को निकाले जाने की कार्रवाई को रोकने और पाक सरकार के इस कदम की निंदा करने की अपील की है।संस्था ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से पाकिस्तान को दी जाने वाली वित्तीय सहायता रोकने का भी अनुरोध किया है। पाकिस्तान के फैसले की निंदा करते हुए 'फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज' (एफआईआईडीस) ने कहा कि यह अवैध है और अंतरराष्ट्रीय कानून का उलंघन है। एफआईआईडीएस में नीति एवं रणनीति मामलों के प्रमुख खंडेराव कांड ने कहा, ''तालिबान के बर्बर शासन से डरकर पलायन करने वाले अफगान शरणार्थियों को सुनियोजित तरीके से जबरन निकालने की पाकिस्तान इस्लामिक गणराज्य की योजना न केवल अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक अवैध है, बल्कि इससे भीषण मानवीय संकट भी उत्पन्न हो सकता है।''

अंतरिक्ष स्टेशन को सुरक्षित धरती पर गिराने पर हो रहा विचार

वॉशिंगटन ।अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को सुरक्षित धरती पर गिराने के उपायों पर विचार-मंथन चला रहा है।यह एक ऐसा मिशन है जो देखने में जितना मुश्किल है, उससे कहीं अधिक पेचीदा है।यह खुलासा किया है अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने।

अंतरिक्ष एजेंसी नासा इस मामले को बेहद गंभीरता से ले रहा है, क्योंकि हल्की सी भी गलती हुई तो पृथ्वी पर तबाही आ सकती है। नासा के एयरोस्पेस के सुरक्षा सलाहकार पैनल ने बताया स्पेस स्टेशन को इस तरह से डीऑर्बिट करने की योजना बनाई गई है कि इससे जमीन पर कोई हताहत न हो।स्पेस स्टेशन को डीऑर्बिट करने की नई विधि को 'स्पेस टग' के नाम से जाना जा रहा है।

यह एक अंतरिक्ष यान है जिसका उपयोग अंतरिक्ष में मौजूद सामान को एक कक्षा से दूसरी कक्षा में स्थानांतरित करने के लिए किया जाता है।लेकिन एजेंसी के पास इस मिशन के लिए बजट की कमी है, उन्होंने अमेरिका की बाइडन सरकार से अपना अंतरिक्ष बजट बढ़ाने की मांग की है।अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का निर्माण 1980 के दशक के अंत में 15 वर्षों के लिए किया गया था।लेकिन आईएसएस अंतरिक्ष में अपनी उम्र पूरी कर चुका है और पिछले 24 वर्षों से कक्षा में कार्य कर रहा है। एयरोस्पेस के सुरक्षा सलाहकार ने अपनी ब्रीफिंग में बताया कि आईएसएस का जब आखिरी दिन आएगा तब इसे कंट्रोल करना आसान नहीं होगा। इसलिए, समय से पहले उसे डीऑर्बिट करने की प्लानिंग की जा रही है। नासा ने बताया कि वह 2030 तक आईएसएस को रिटायर करना चाहता है, लेकिन सुरक्षित रिटायरमेंट सुनिश्चित करने के लिए, आईएसएस को उसकी लैंडिंग के दौरान मार्गदर्शन करने के लिए सटीक गणना की आवश्यकता होगी। आईएसएस का विशाल आकार वैज्ञानिकों के लिए टेंशन का कारण बना हुआ है।यदि इसे सावधानी से नहीं हटाया गया तो यह पृथ्वी के एक बड़े हिस्से की आबादी को तबाह कर सकता।

गाजा के सबसे बड़े शरणार्थी शिविर जबालिया पर इज़रायल ने बरसाए बम, हमले में 7 बंधक मारे गए

गाजा (एजेंसी)। हमास की सशस्त्र शाखा अल-कसम ब्रिगेड ने बुधवार को दावा किया कि मंगलवार को जबालिया शरणार्थी शिविर पर इजरायल के हवाई हमलों में 7 बंधकों की मौत हो गई, जिनमें तीन विदेशी पासपोर्ट वाले थे। हमास ने 7 अक्टूबर को लगभग 240 लोगों को बंधक बना लिया था, जब उसके आतंकवादियों ने इज़राइल के शहरों पर हमला किया और महिलाओं और बच्चों सहित 1400 लोगों की हत्या कर दी। समूह ने दो अमेरिकी नागरिकों सहित चार नागरिकों को रिहा कर दिया है। इजरायली सेना ने हमास की कैद से एक सैनिक को छुड़ा लिया है।

इजराइल ने बुधवार को दावा किया कि उसने हवाई हमले से हमास के एक कमांडर को मार गिराया. हालाँकि, हमास ने इस बात से इनकार किया है कि हमले में उसका कोई भी सैन्य नेता मारा गया है। फ़िलिस्तीन के अधिकारियों ने दावा किया कि हमले में 50 नागरिकों की मौत हो गई। इस बीच, इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि गाजा पट्टी के अंदर जमीनी लड़ाई में दर्दनाक नुकसान के बावजूद हमास के खिलाफ देश का युद्ध जारी रहेगा। हमारी बहुत सारी महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हैं, लेकिन दर्दनाक हानियाँ भी हैं। हम जानते हैं कि हमारा हर सैनिक पूरी दुनिया है।

कतर की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद हमास द्वारा कई विदेशियों और गंभीर रूप से घायल लोगों को रिहा किया जा रहा था। फिलिस्तीनी दूरसंचार प्रदाता पालटेल ने आज कहा कि संचार और इंटरनेट सेवाएं बुधवार को बंद कर दी गईं। गाजा पट्टी पर हफ्तों तक बमबारी करने के बाद, इजरायल ने अपनी जमीनी सेना को इलाके में भेज दिया है। देश ने हमास को धरती से मिटा देने की कसम खाई है। इज़रायल के जवाबी हमलों ने गाजा में मानवीय संकट पैदा कर दिया है क्योंकि 7 अक्टूबर से अब तक 3542 बच्चों सहित 8500 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है। देश ने बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता भी रोक दी है।

भारत की रक्षा में लद्दाख का योगदान पूरा देश जानता है, राष्ट्रपति ने कहा- कई आदिवासी समुदायों की समृद्ध परंपराएं जीवित हैं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत के लोगों में लद्दाख में अपने साथी नागरिकों के प्रति विशेष स्नेह और सम्मान की भावना है और वे राष्ट्र की रक्षा में उनके योगदान के बारे में जानते हैं। यहां सिंधु घाट पर उनके सम्मान में आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में शामिल होते हुए मुर्मू ने कहा कि सिंधु नदी सभी भारतीयों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना की गहराई में मौजूद है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया है कि उन्होंने कहा कि भारत के लोगों में लद्दाख के लोगों के प्रति विशेष स्नेह और सम्मान की भावना है और वे राष्ट्र की रक्षा में लद्दाख के लोगों द्वारा किए गए योगदान के बारे में जानते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि इस क्षेत्र के लोग बहादुरी और बुद्ध के प्रति अपनी आस्था के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध का अमर और जीवंत संदेश लद्दाख के माध्यम से दूर-दूर के देशों में फैला। राष्ट्रपति ने कहा कि लद्दाख में आध्यात्मिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन और इको-पर्यटन के विकास की अनंत संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में वेलनेस टूरिज्म या स्वास्थ्य पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएं हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि यह खुशी की बात है कि लद्दाख में कई आदिवासी समुदायों की समृद्ध परंपराएं जीवित हैं।

उन्होंने कहा कि लोग प्रकृति के प्रति स्नेह और सम्मान के बारे में जानते हैं जो आदिवासी समुदायों की कलाओं, नृत्यों, गीतों और जीवनशैली में परिलक्षित होता है। मुर्मू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हमें पर्यावरण के लिए जीवन शैली के अनुसार आदिवासी समुदायों की जीवन शैली को संरक्षित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन समुदायों के लोगों को भी आधुनिक विकास की अच्छाइयों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मुर्मू ने कहा कि परंपरा और आधुनिकता का यह संगम लद्दाख के लोगों सहित सभी नागरिकों के लिए सतत विकास का सही मार्ग साबित होगा।

एआई के खतरों से बचाने के लिए ब्रिटेन में दुनियाभर के जानकार करेंगे मंथन

लंदन (एजेंसी)। तकनीक फायदेमंद है तो उसके नुकसान भी है। तकनीक का दुरुपयोग हुआ तो परिणाम कितने घातक होंगे इसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर भी कई तरह के खतरों की आहट सुनाई दे रही है। ऐसा कुछ न हो इसके लिए ब्रिटेन में पूरी दुनिया के जानकार एकत्रित होकर इस पर विचार मंथन करने जा रहे हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के नेतृत्व में उनसे निपटने के तरीकों पर विचार-विमर्श करने के लिए 100 से ज्यादा विश्व नेता, तकनीकी दिग्गज, शिक्षाविद और शोधकर्ता अगले सप्ताह ब्रिटेन में एकत्रित होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कथित तौर पर अगले सप्ताह एआई के जोखिमों की निगरानी करने और एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से प्रौद्योगिकी के नए उपयोग विकसित करने के लिए कई संघीय एजेंसियों को तैनात करने जा रहे हैं। यूके में दो दिवसीय 'एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन' में अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और कई अन्य नेता के आने की संभावना है. बीबीसी के अनुसार, उनका उद्देश्य जोखिमों को कम करते हुए इस शक्तिशाली तकनीक के लाभों को अधिकतम करने के सर्वोत्तम तरीके के बारे में चर्चा में भाग लेना है। हाल की एक रिपोर्ट में यूके सरकार ने एआई के कुछ चिंताजनक संभावित खतरों को सूचीबद्ध किया है, जिनमें जैव-आतंकवाद, साइबर हमले और बाल यौन शोषण की डीपफेक इमेज शामिल हैं। जाहिर तौर पर, सुनक के पास एक योजना है, और यह एआई जोखिमों से निपटने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना है। रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है,वह यूके को एआई सुरक्षा के लिए वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक कार्यकारी आदेश के माध्यम से बाइडेन से उम्मीद की जाती है कि वह स्वास्थ्य देखभाल से लेकर शिक्षा, व्यापार से लेकर आवास और बहुत कुछ, संघीय सरकार द्वारा छूए गए जीवन के लगभग हर पहलू में अधिक एआई के उपयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा।

गाजा में सबसे बड़े शरणार्थी शिविर पर इज़राइल ने ली हमले की जिम्मेदारी

जेरूसलम (एजेंसी)। इजरायली सेना ने गाजा में सबसे बड़े जबालिया शरणार्थी शिविर पर हवाई हमले की जिम्मेदारी ली है। इजरायल ने कहा कि 7 अक्टूबर के हमले के लिए जिम्मेदार हमास के शीर्ष नेताओं में से एक हमले में मारा गया है। एक्स पर एक पोस्ट में, इज़राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि आईडीएफ लड़ाकू विमानों ने हमास की सेंट्रल जबालिया बटालियन के कमांडर इब्राहिम बियारी को मार गिराया। बियारी 7 अक्टूबर को आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार नेताओं में से एक था। इजरायल ने क्षेत्र में हमास की कमान और नियंत्रण को नुकसान पहुंचाया और बड़ी संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया, जो बियारी के साथ थे। हमले के बाद भूमिगत आतंकवादी बुनियादी ढांचे भी ध्वस्त हो गए। वहीं आईडीएफ ने क्षेत्र के निवासियों से अपनी सुरक्षा के लिए दक्षिण की ओर जाने का अपना आह्वान दोहराया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जबल्या गाजा पट्टी के आठ शरणार्थी शिविरों में से सबसे बड़ा है। मंगलवार के हवाई हमले का बचाव करते हुए आईडीएफ के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने कहा कि शरणार्थी शिविर को बियारी को मारने के लिए निशाना बनाया गया।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वह आईडीएफ के खिलाफ सक्रिय रूप से समन्वय, संचालन और लड़ाकू गतिविधियों का नेतृत्व कर रहा था। आईडीएफ के प्रवक्ता ने कहा कि बियारी की गतिविधियां 2004 से पहले की हैं, जब उसने अशदोद में एक हमले की साजिश रची थी, इसमें 13 इजरायली मारे गए थे। कॉनरिकस ने कहा कि मंगलवार के हमले में हमास के दर्जनों लड़ाके भी मारे गए और शिविर के नीचे भूमिगत सुरंगें ढह गईं। कॉनरिकस ने कहा कि आईडीएफ ने हमला करते समय गैर-लड़ाकों के प्रभावित होने की संभावनाओं सहित सभी कारकों पर विचार किया था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सेना ने नागरिकों को पत्रक, सोशल मीडिया पर संदेशों और रेडियो प्रेषण के माध्यम से क्षेत्र छोड़ने के लिए सूचित किया था। कॉनरिकस ने कहा, मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि हमला का निशाना सैन्य गतिविधियों का एक केंद्र था। हालांकि इससे पहले मंगलवार को आईडीएफ ने कहा था कि उसके सैनिकों ने जबालिया में हमास के आतंकवादियों के गढ़ को निशाना बनाया था, जिसका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के प्रशिक्षण और कार्यान्वयन के लिए किया जाता था। आईडीएफ ने एक्स पर कहा कि जमीनी हमले में सैनिकों ने लगभग 50 आतंकवादियों को मार गिराया, साथ ही आतंकवादी सुरंगों और हथियारों के प्रवेश द्वारों को भी नष्ट कर दिया। इस बीच, हमास ने इस बात से इनकार किया है कि हमले के दौरान उसका कोई सदस्य शिविर में मौजूद था। हमास के प्रवक्ता हाज़ेम क़ासिम ने इज़राइल पर जबल्या शिविर में रह रहे नागरिकों, बच्चों और महिलाओं की हत्या का आरोप लगाया।

अब क्या हैं किम जोंग उन के इरादें? दुनिया भर में अपने दूतावास को बंद करने की तैयारी में नॉर्थ कोरिया

प्योंगयांग (एजेंसी)। उत्तर कोरिया स्पेन, हांगकांग और कई अफ्रीकी देशों सहित लगभग एक दर्जन दूतावासों को बंद करने की योजना बना रहा है। इस कदम से दुनिया भर में प्योंगयांग के लगभग 25 प्रतिशत राजनयिक मिशन बंद हो सकते हैं। उत्तर कोरिया के राजनयिक मिशनों को हाल ही में बंद करने को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण विदेशी गतिविधियों से आय उत्पन्न करने में एकांतप्रिय राष्ट्र के सामने आने वाली चुनौतियों के प्रतिबिंब के रूप में देखा जाता है, जैसा कि मंगलवार को दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने नोट किया था। उत्तर कोरियाई राज्य मीडिया आउटलेट केसीएनए ने कहा कि देश के राजदूतों ने पिछले सप्ताह अंगोलन और युगांडा के नेताओं से विदाई की मुलाकात की, और दोनों अफ्रीकी देशों में स्थानीय मीडिया ने वहां उत्तर के दूतावासों को बंद करने की सूचना दी।

अंगोला और युगांडा दोनों ने 1970 के दशक से उत्तर कोरिया के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हैं, सैन्य सहयोग बनाए रखा है और मूर्ति निर्माण परियोजनाओं जैसे विदेशी मुद्रा के दुर्लभ स्रोत प्रदान किए हैं। चाड ओ%कैरोल ने लिखा, दूतावास के बंद होने से दशकों में देश की सबसे बड़ी विदेश नीति में से एक के लिए मंच तैयार हो सकता है, जिसमें राजनयिक जुड़ाव, अलग-थलग देश में मानवीय कार्य और अवैध राजस्व उत्पन्न करने की क्षमता शामिल है। एक रिपोर्ट में कहा, संभवतः अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों, वैश्विक स्तर पर प्योंगयांग के अलग होने की प्रवृत्ति और उत्तर कोरियाई अर्थव्यवस्था के संभावित कमजोर होने के कारण एक दर्जन से अधिक मिशन बंद हो सकते हैं। सियोल के एकीकरण मंत्रालय ने कहा कि यह कदम उत्तर के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों के लिए वित्त पोषण को रोकने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के प्रभाव को दर्शाता है। मंत्रालय ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि वे पीछे हट रहे हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रतिबंधों को मजबूत करने के कारण उनका विदेशी मुद्रा अर्जन व्यवसाय लड़खड़ा गया है, जिससे दूतावासों को बनाए रखना मुश्किल हो गया है। यह उत्तर कोरिया की कठिन आर्थिक स्थिति का संकेत दे सकता है, जहां पारंपरिक रूप से मित्रवत देशों के

साथ न्यूनतम राजनयिक संबंध भी बनाए रखना मुश्किल है।

एक्स ने बर्बाद कर दिया एलन मस्क को, आधी रह गई कंपनी की वैल्यू

नई दिल्ली । दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क को एक्स ने बर्बाद कर दिया है। बताया जा रहा है कि मस्क ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर यानी एक्स को पिछले साल 44 अरब डॉलर की भारीभरकरम रकम देकर खरीदा था। लेकिन अब इसकी कीमत आधी रह गई है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारियों को जो रेस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट्स दिए गए हैं, उनके मुताबिक कंपनी की वैल्यू 19 अरब डॉलर रह गई है। यानी कंपनी का शेयर अब केवल 45 डॉलर का रह गया है। मस्क के मालिक बनने के बाद कंपनी के अधिकांश कर्मचारी निकाले जा चुके हैं या वे खुद ही छोड़कर चले गए हैं। मस्क ने इसका नाम बदलकर एक्स दिया है और कंटेंट रूल्स में भी बदलाव किए हैं। लेकिन इस दौरान कंपनी का एडवरटाइजिंस रेवेन्यू आधे से भी कम रह गया है। मस्क के मालिक बनने के बाद एक्स को वित्तीय मोर्चे पर काफी संघर्ष करना पड़ रहा है।

जब उन्होंने ट्विटर को खरीदा था तो डेट और इक्विटी के आधार पर इसकी वैल्यू 44 अरब डॉलर आंकी गई थी। कंपनी की कमान मस्क के हाथ में आने के बाद से उसकी सेल्स में 60 फीसदी की गिरावट आई है। कंपनी को हर साल कर्ज के ब्याज के रूप में 1.2 अरब डॉलर चुकाने पड़ रहे हैं। मस्क की योजना कपनी को एडवरटाइजिंग से पेड सब्सक्रिप्शन की तरफ ले जाने की है। लेकिन अब तक केवल एक परसेंट यूजर्स ने ही मंथली प्रीमियम सर्विस के लिए साइन किया है। इससे कंपनी को सालाना 12 करोड़ डॉलर की ही कमाई होगी। इस बीच मस्क को सोमवार को 7.14 अरब डॉलर यानी 5,94,34,43,10,000 रुपये की चपत लगी है। अमेरिकी शेयर बाजार में तेजी के बावजूद मस्क की इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला के शेयरों मे सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिली। कंपनी का शेयर 4.79 प्र??तिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इससे कंपनी का मार्केट कैप 627.39 अरब डॉलर रह गया है।

मणिपुर में मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध 5 नवंबर तक बढ़ा दिया गया

इंफाल। मणिपुर सरकार ने असामाजिक तत्वों द्वारा हानिकारक संदेशों, फ़ोटो और वीडियो के प्रसार को रोकने के लिए मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध को अगले पांच दिनों के लिए 5 नवंबर तक बढ़ा दिया। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने हाल ही में संकेत दिया था कि सरकार अगले कुछ दिनों के भीतर प्रतिबंध वापस लेने पर विचार करेगी, जिसके बाद राज्य ने एक सप्ताह से भी कम समय में मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध को दो बार बढ़ाया। गृह विभाग की एक अधिसूचना में कहा गया कि प्रतिबंध को इस आशंका के बाद बढ़ाया गया था कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाएं भड़काने वाली तस्वीरें, नफरत भरे भाषण और नफरत भरे वीडियो प्रसारित करने के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। मणिपुर के पुलिस महानिदेशक ने 30 अक्टूबर को बताया कि अभी भी केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती, सार्वजनिक सम्मेलनों, विभिन्न स्थानीय क्लबों और ब्लॉक स्तरों पर बैठकों, निर्वाचित सदस्यों के आवासों पर हमले के प्रयासों, सीएसओ नेताओं के खिलाफ सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन की खबरें हैं। ऐसी आशंका है कि कुछ असामाजिक तत्व जनता की भावनाएं भड़काने वाली तस्वीरें, नफरत भरे भाषण और नफरत भरे वीडियो संदेश प्रसारित करने के लिए बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, जिसका मणिपुर राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर असर हो सकता है। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि भड़काऊ सामग्री और झूठी अफवाहों के परिणामस्वरूप जीवन की हानि या सार्वजनिक/निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचने और सार्वजनिक शांति और सांप्रदायिक सद्भाव में व्यापक गड़बड़ी का आसन्न खतरा है, जिसे प्रसारित/प्रसारित किया जा सकता है।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता लगातार पांचवें दिन 'बहुत खराब' श्रेणी में, न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता बुधवार को लगातार पांचवें दिन बहुत खराब श्रेणी में रही जिसमें वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 372 दर्ज किया गया। राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 16.4 डिग्री सेल्सियस रहा। शहर में सापेक्षिक आद्रर्ता सुबह साढ़े आठ बजे 85 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में आसमान साफ रहने का पूर्वानुमान जताया है। दिल्ली के विभिन्न इलाकों जैसे आनंद विहार, बवाना और रोहिणी में एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच गया। एक्यूआई शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू जमानत पर रिहा होने के बाद घर पहुंचे

अमरावती। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू कौशल विकास निगम घोटाला मामले में जमानत पर रिहा होने के बाद बुधवार तड़के यहां उंदावल्ली स्थित अपने घर पहुंचे। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजामहेंद्रवरम जेल से 13 घंटे की लंबी यात्रा के बाद सुबह लगभग छह बजे अपने घर पहुंचे, जहां परिवार के सदस्यों और पार्टी समर्थकों ने उनका स्वागत किया। तेदेपा प्रमुख ने बाद में पत्नी एन भुवनेश्वरी और रिश्तेदारों के साथ प्रार्थना में भाग लिया। आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने मंगलवार को स्वास्थ्य आधार पर नायडू को चार सप्ताह की अवधि के लिए अंतरिम जमानत दी थी। नायडू का काफिला मंगलवार शाम करीब पांच बजे पूर्वी गोदावरी जिले के राजामहेंद्रवरम से निकला। गुंटूर जिले के उंदावल्ली के रास्ते में उनके सैकड़ों समर्थक सड़क के किनारे इक्ट्ठा हुये थे। बड़ी संख्या में समर्थकों के जुटे होने के कारण उनकी यात्रा के शुरुआती मार्ग में लगभग पांच किलोमीटर तक जाम रहा। तेदेपा के कई नेता भी उनके काफिले के साथ रहे।

भारत में सड़क दुर्घटनाओं में 12प्र. की वृद्धि, दिल्ली, बेंगलुरु में सबसे अधिक मौतें दर्ज की गईं

नई दिल्ली। 2022 में भारत में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों (9.4 प्रतिशत) और चोटों (15.3 प्रतिशत) में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, देश भर में सड़क दुर्घटनाओं में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी अवधि के दौरान, दिल्ली के बाद बेंगलुरु में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों की दूसरी सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई, जबकि तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (स्न्न्नह्र॥) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में बेंगलुरु की संकरी सड़कों पर 3,822 दुर्घटनाओं में 772 लोगों की जान चली गई, जबकि 2021 में 654 सड़क दुर्घटनाओं में मौतें हुईं। इसके अलावा, 3,189 बेंगलुरुवासी घायल हुए हैं। शहर की सड़कें, जो आमतौर पर अपनी ख़राब हालत के लिए सुर्खियाँ बनती हैं। इस बीच, चेन्नई में मृत्यु दर में उल्लेखनीय 49 प्रतिशत की कमी देखी गई, 2021 में 998 की तुलना में 2022 में 507 सड़क मौतें हुईं। हालांकि, तमिलनाडु में 2022 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिसमें कुल 64,105 मामले थे। पूरे भारत में, 2022 में कुल 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 1,68,491 मौतें हुईं और 4,43,366 घायल हुए। रिपोर्ट में इन दुर्घटनाओं का प्राथमिक कारण तेज़ गति बताया गया है और इसमें नशे में गाड़ी चलाने और यातायात नियमों के उल्लंघन को भी योगदान कारक बताया गया है।

भारत बंगलादेश के प्रधानमंत्रियों ने किया विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बुधवार को भारत की सहायता से तैयार तीन विकास परियोजनाओं-अखौरा-अगरतला सीमा पार रेल सम्पर्क, खुलना-मंगला बंदरगाह रेल लाइन और मैत्री सुपर ताप विद्युत संयंत्र की दूसरी इकाई का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। दोनों नेताओं ने आज पूर्वाह्न 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इन तीन परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। ये परियोजनाएं क्षेत्र में कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेंगी।

अखौरा-अगरतला सीमा पार रेल सम्पर्क परियोजना भारत सरकार द्वारा बंगलादेश को दी गई 392.52 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता के तहत तैयार की गई है। बंगलादेश में 6.78 किलोमीटर लंबी दोहरी गेज रेल लाइन और त्रिपुरा में 5.46 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के साथ रेल सम्पर्क की कुल लंबाई 12.24 किलोमीटर है। खुलना-मंगला बंदरगाह रेल लाइन परियोजना भारत सरकार की रियायती ऋण सुविधा के तहत 38.892 करोड़ अमेरिकी डॉलर की लागत से तैयार की गई है। इस परियोजना में मंगला बंदरगाह और खुलना में मौजूदा रेल नेटवर्क के बीच लगभग 65 किलोमीटर ब्रॉडगेज रेल मार्ग का निर्माण शामिल है। इसके साथ ही बंगलादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह, मंगला, ब्रॉडगेज रेलवे नेटवर्क से जुड़ गया है।

इसी तरह से 1.6 अरब अमरीकी डालर के भारतीय रियायती वित्तपोषण योजना ऋण के अंतर्गत मैत्री सुपर ताप विद्युत परियोजना, बंगलादेश के खुलना डिवीजन के रामपाल स्थित 1320 मेगावाट (2गुणा660) का सुपर ताप विद्युत संयंत्र (एमएसटीपीपी) लगाया गया है। यह परियोजना बंगलादेश-भारत मैत्री पावर कंपनी (प्राइवेट) लिमिटेड (बीआईएफपीसीएल) द्वारा कार्यान्वित की गई है, जो भारत की एनटीपीसी लिमिटेड और बंगलादेश विद्युत विकास बोर्ड (बीपीडीबी) के बीच 50-50 की संयुक्त उद्यम कंपनी है। मैत्री सुपर ताप विद्युत संयंत्र की इकाई-1 का सितम्बर 2022 में दोनों प्रधानमंत्रियों द्वारा संयुक्त रूप से अनावरण किया गया था और इकाई-2 का उद्घाटन आज किया गया। मैत्री सुपर थर्मल बिजली संयंत्र के संचालन से बंगलादेश में ऊर्जा सुरक्षा बढ़ेगी।

सीएम शिंदे ने कहा, सभी दल मराठा आरक्षण के पक्ष में, सरकार को समय दें

मुंबई। महाराष्ट्र के सभी दलों ने मराठा समुदाय को आरक्षण देने पर सहमति व्यक्त की है. सीएम एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में मुंबई में हुई बैठक में सभी दलों ने मराठाओं को आरक्षण देने पर सहमति व्यक्त की। बैठक के बाद सीएम ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया के लिए सरकार को समय दें. इसके बाद सीएम ने मराठा आरक्षण को लेकर हो रहे आंदोलन को खत्म करने की अपील की. बता दें कि सीएम शिंदे ने मराठा आरक्षण को लेकर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी. बुधवार सुबह 10 बजे हुई इस बैठक में शरद पवार समेत 32 दलों के नेताओं ने शिरकत की. बैठक के बाद सीएम शिंदे मीडिया से मुखातिब हुए और मराठा समुदाय से इस आंदोलन को खत्म करने की अपील की. मीडिया के सामने सीएम ने कहा कि हमारी ईमानदारी पर भरोसा रखें. यह आंदोलन एक नई दिशा में जा रहा है, आम जनता असुरक्षित महसूस कर रही है, इसलिए सहयोग करें. कानून एवं व्यवस्था बनाए रखें. हम आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं. कोई भी हिंसा न करे, हमें थोड़ा वक्त दें, हम आपको स्थायी आरक्षण देंगे. सीएम शिंदे ने आगे कहा कि सर्वदलीय बैठक में सभी नेताओं ने मराठाओं को आरक्षण देने के मुद्दे पर सहमति व्यक्त की है. हालांकि सभी ने यह निर्णय लिया है कि आरक्षण कानून के दायरे और अन्य समुदाय के साथ अन्याय किए बिना लागू किया जाएगा. सीएम ने मराठा आंदोलन के अगुवा मनोज जरांगे से भूख हड़ताल को खत्म करने की अपील की.

राजस्थान में बोले सीएम योगी, कांग्रेस तालिबानी सोच की सरकार

-पवन खेड़ा ने किया पलटवार

अलवर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इजराइल-गाजा युद्ध और राजस्थान में कांग्रेस बनाम भाजपा की लड़ाई के बीच समानताएं बताईं। राजस्थान के अलवर में एक रैली को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, 'क्या आप देख रहे हैं, गाजा में तालिबानी मानसिकता को कैसे कुचला जा रहा है? लक्ष्य पर निशाना लगाना और सटीकता से उसे कुचलना।' उन्होंने आगे कहा कि तालिबान का समाधान बजरंग बली की गदा है। राजस्थान कांग्रेस पर हमला बोलते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अराजकता, गुंडागर्दी और आतंकवाद समाज के लिए अभिशाप है। जब इनमें राजनीति शामिल हो जाती है तो इसका असर सभ्य समाज पर पड़ता है।

कांग्रेस पर हमला बोलते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरदार पटेल ने कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया, लेकिन कांग्रेस नेता जवाहरलाल नेहरू ने यहां भी समस्याएं पैदा कीं, जिससे आतंकवाद फैल गया। इसके बाद जब बीजेपी की सरकार आई तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने कश्मीर को समस्या मुक्त बनाया। वहां से आतंकवाद को खत्म करने के लिए कदम उठाए गए। उन्होंने राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध के बढ़ते मामलों पर भी राजस्थान सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि याद रखें अगर कांग्रेस सफल रही तो तालिबानी मानसिकता के कारण बहनों और बेटियों का शोषण किया जाएगा।

योगी ने कहा कि देश जिन समस्याओं का समाधान एक एक कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज कर रहा है वे सभी समस्याएं कांग्रेस की देन हैं। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान करने का नाम ही 'डबल इंजन' की सरकार है। उन्होंने कहा, जहां जहां भारतीय जनता पार्टी की 'डबल इंजन' की सरकार है वहां सुरक्षा, समृद्धि और विकास है तथा वहां बिना भेदभाव के शासन की योजनाओं का लाभ समाज के हर तबके को उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। योगी पर पलटवार करते हुए पवन खेड़ा ने कहा कि मैं किसी को भी अपने राज्य का माहौल खराब करने की इजाजत नहीं दूंगा। उत्तर प्रदेश में कल गुंडों ने पुलिस कर्मियों की पिटाई कर दी। कृपया अपना राज्य संभालें...वे अपना राज्य नहीं संभाल सकते और यहां आ जाते हैं।

एप्पल मामले पर मोइत्रा का बिरला को पत्र: सदस्यों को संरक्षण दिया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने कई विपक्षी नेताओं द्वारा उनके आईफोन में 'सरकार प्रायोजित सेंधमारी' के प्रयास का दावा किए जाने का हवाला देते हुए बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह सदन के सदस्यों को संरक्षण प्रदान करें, ताकि वे अपने कर्तव्य का निर्वहन करना जारी रख सकें। उन्होंने कहा कि यह 'सरकार द्वारा गैरकानूनी निगरानी' है जो संविधान द्वारा दिए गए मौलिक अधिकारों पर सबसे बुरा हमला है। विपक्ष के कई नेताओं ने मंगलवार को दावा किया था कि उन्हें उनके आईफोन में 'सरकार प्रायोजित सेंधमारी के प्रयास' के बारे में एप्पल से चेतावनी संदेश मिला है तथा इस कथित हैकिंग के प्रयास के लिए सरकार जिम्मेदार है। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया था और कहा था कि सरकार इसकी गहन जांच कराएगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी नेता केसी वेणुगोपाल, शशि थरूर, पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत एवं टी एस सिंहदेव, शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी, तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा, आम आदमी पार्टी (आप) के राघव चड्ढा, माकपा महासचिव सीताराम येचुरी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के असदुद्दीन ओवैसी को भी इसी तरह का संदेश मिला। बिरला को लिखे पत्र में मोइत्रा ने कहा, 'विपक्षी नेताओं को एक संदेश मिला है कि उन्हें सरकार प्रायोजित सेंधमारों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है जो उपकरणों के साथ दूर से छेड़छाड़ करने और उनके डेटा, संचार तथा यहां तक कि कैमरा और माइक्रोफोन तक पहुंच बनाने का प्रयास कर रहे हैं।' तृणमूल कांग्रेस की सांसद ने कहा, 'उस पेगासस सॉफ़्टवेयर (केवल सरकारों को बेचा गया) के मामले के मद्देनजर यह खतरा दोगुना चौंकाने वाला है जिसका उपयोग 2019-2021 के दौरान विपक्ष के विभिन्न सदस्यों, असंतुष्ट पत्रकारों और सामाजिक संगठनों के सदस्यों के उपकरणों से छेड़छाड़ करने के लिए किया गया था।'

अरविंद केजरीवाल का बड़ा दिवाली गिफ्ट, एमसीडी के 5000 सफाई कर्मचारी होंगे स्थायी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 5000 संविदा कर्मचारियों को स्थायी पदों की पेशकश की जाएगी। सीएम केजरीवाल ने कहा कि इन 5000 का कई तरह से शोषण किया गया। अपने फैसले की घोषणा करते हुए दिल्ली सीएम ने कहा कि यह आम आदमी पार्टी की प्रतिबद्धता है कि हम कच्चे कर्मचारियों की इस व्यवस्था को खत्म करेंगे। जब नगर निगम में बीजेपी की सरकार थी तो बहुत भ्रष्टाचार था। अब सब कुछ खत्म हो गया है। उन्होंने दावा किया कि कर्मचारियों को समय पर वेतन मिलना शुरू हो गया है। दिवाली के मौके पर यह बड़ी घोषणा है। अपने बयान में केजरीवाल ने कहा कि कल नगर निगम की सदन में बैठक हुई जिसमें प्रस्ताव पारित कर कहा गया है कि निगम के लगभग 5,000 सफाई कर्मचारियों को पक्का (स्थायी) किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारियों का शोषण किया जाता रहा है। 15 साल से निगम में भाजपा की सरकार थी और उन्होंने सफाई कर्मचारियों का शोषण किया। उन्होंने कहा कि दिवाली के मौके पर यह बहुत बड़ी घोषणा है, दिवाली- छठ पूजा सभी के लिए शुभ हो। उन्होंने कहा कि जनवरी में सरकार बनने के बाद अब तक 6494 सफ़ाई कर्मचारियों को पक्का किया जा चुका है। संबोधन में केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के 15 साल में सिर्फ़ 2 ही तरह की खबरें आती थी -भ्रष्टाचार और कर्मचारियों को कई महीनों से वेतन नहीं मिली। एमसीडी में 'आप' सरकार बनने के बाद समय पर सैलरी मिलती है और सफ़ाई कर्मचारियों को पक्का किया जा रहा है।

राघव चड्ढा का दावा, पहले केजरीवाल की होगी गिरफ्तारी, फिर ममता-स्टालिन सहित अन्य मुख्यमंत्रियों के पीछे पड़ेंगी एजेंसियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेशी से एक दिन पहले, आम आदमी पार्टी नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने 2024 के लोकसभा चुनाव में छूट पाने के लिए विपक्ष शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने की योजना तैयार की है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चड्ढा ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियां पहले अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करेंगी और फिर ममता बनर्जी और एमके स्टालिन सहित अन्य मुख्यमंत्रियों के पीछे जाएंगी।

आप नेता ने कहा कि झारखंड में जब से हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने हैं, तब से उनकी लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है। इसके साथ ही वे अगली गिरफ्तारी हेमंत सोरेन की करेंगे। अगली गिरफ्तारी राजद नेता तेजस्वी यादव की हो सकती है, ताकि राजद बिहार में चुनाव लड़ने में सक्षम न रह जाए। इसके बाद बीजेपी एजेंसियों की अगली एंट्री जिस राज्य में होगी वो है पश्चिम बंगाल। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा दर्ज किए गए सभी मामलों में से 95 फीसदी मामले बीजेपी के राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ हैं। उन्होंने मनीष सिसौदिया, राहुल गांधी और फारूक अब्दुल्ला समेत सभी बड़े नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं।

चड्ढा ने कहा कि इंडिया गठबंधन के सामने आने के बाद बीजेपी को समझ आ गया कि वे इस संयुक्त मोर्चे के खिलाफ जीत नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा, 'इस प्रकार भाजपा ने इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार करने की योजना तैयार की। जब शीर्ष नेता जेल में होंगे, तो वे चुनाव नहीं लड़ पाएंगे क्योंकि वे अदालती मामलों में व्यस्त होंगे।' राज्यसभा सांसद ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा ने राष्ट्रीय राजधानी की सभी सात संसदीय सीटें जीतने के लिए अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने की योजना बनाई है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों और शीर्ष विपक्षी नेताओं के पीछे जाकर उन्हें गिरफ्तार करेगी। चड्ढा ने कहा कि भाजपा राज्य और संसदीय चुनावों में खुली छूट चाहती है और दावा किया कि भाजपा राज्य में एक पार्टी का एकाधिकार चाहती है।

'कमल' छोड़ 'झाडू' थामने वाले भागीरथी नाम वापस लेकर भाजपा में आए

गरियाबंद। भाजपा से बागी होकर 'आप' पार्टी की ओर से नामांकन दाखिल करने वाले भागीरथी मांझी ने नाम वापसी के पहले ही दिन अपना नाम वापस ले लिया. इस घटनाक्रम से जहां आप पार्टी में हड़कंप मच गया है, वहीं मांझी ने कहा कि मैने बहकावे में आकर आप को ज्वाइन किया था, मेरी निष्ठा हमेशा भाजपा के साथ है. बिंद्रा नवागढ़ के सियासत में अब फिर से नया मोड़ आ गया. भागीरथी मांझी आज सुबह निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर अपना नाम वापस ले लिया. रिटर्निंग अफसर अर्पिता पाठक ने इसकी पुष्टि भी किया है. नामांकन वापसी के बाद मांझी ने कहा कि वे किसी पार्टी के पास टिकट मांगने नहीं गए थे. भाजपा में टिकट के दावेदार था, नहीं मिलने का दु ख था.

लद्दाख में आध्यात्मिक और प्राकृतिक पर्यटन के विकास की अनंत संभावनाएं : मुर्मु

लद्दाख/नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि लद्दाख में आध्यात्मिक, रोमांचकारी एवं साहसिक और प्राकृतिक पर्यटन के विकास की अनंत संभावनाएं हैं। राष्ट्रपति ने बुधवार को लद्दाख में उनके नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि लद्दाख के लोगों के लिए पूरे देश में विशेष स्थान है। उन्होंने कहा, ''सभी देशवासियों के दिल में आप सब के लिए विशेष स्नेह और आदर का भाव है। वे जानते हैं कि शूरवीरों की भूमि लद्दाख के सामान्य नागरिकों ने भी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश की रक्षा में सदैव अपना योगदान दिया है।'

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोग वीरता और बुद्ध में आस्था दोनों के लिए जाने जाते हैं। कारगिल के सूफी संतों और महापुरूषों ने भी भारत की आध्यात्मिक परंपरा को मजबूत बनाया है। सिंधु नदी सभी देशवासियों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना में विद्यमान है। इसे ध्यान में रखते हुए वर्ष 1997 के बाद से यहां हर वर्ष सिंधु दर्शन उत्सव मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि यहां की सभी नदियों और ग्लेसियर से उपलब्ध जल संसाधनों का संरक्षण और उनका समुचित उपयोग बहुत महत्वपूर्ण है। जल संसाधनों के संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने के लिए प्रसिद्ध छेवांग नोरफेल की उन्होंने विशेष रूप से सराहना की।

उन्होंने कहा कि लद्दाख में आध्यात्मिक, साहसिक एवं रोमांचकारी तथा प्राकृतिक पर्यटन के विकास की अतंत संभावनाएं हैं। कारगिल, सुरू, नुबरा, लेह, जंस्कर और द्रास सहित सभी क्षेत्र इतने सुंदर हैं कि उनका वर्णन करने के लिए विशेष प्रतिभा होनी चाहिए। पद्मश्री से सम्मानित चेवांग मोटुप गोबा का उल्लेख करते हुए श्रीमती मुर्मु ने कहा कि उन्होंने लद्दाख में साहसिक पर्यटन के विकास को नई ऊर्जा दी है। पर्यावरण संरक्षण के उनके कार्य से भी बहुत लोगों को प्रेरणा मिली है। उन्होंने कहा कि लद्दाख में स्वास्थ्य पर्यटन के विकास की भी प्रचुर संभावना है। सोवा-रिगपा यानी आमची चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगों में अच्छा रूझान दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ साथ ऐसी प्राचीन परन्तु वैज्ञानिक चिकित्सा प्रणालियों को प्रोत्साहित करना समग्र स्वास्थ्य तंत्र के लिए लाभप्रद सिद्ध होगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत नगर निगम के अठवा जोन का

जूनियर इंजीनियर इलेक्ट्रिकल और मेंटेनेंस असिस्टेंट 40 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम में बहुत भ्रष्टाचार है, जिसका प्रमाण समय-समय पर नगर निगम के कर्मचारियों को एंटिकरप्शन ब्यूरो द्वारा पकड़ा जाता है। कई बार जागरूक नागरिकों द्वारा अलग-अलग तरीकों से पैसे मांगने की सूचना एसीबी को दी जाती है और जाल बिछाकर उन्हें तुरंत पकड़ लिया जाता है। सूरत नगर निगम में स्ट्रीट लाइट मरम्मत और रखरखाव के ठेके के लिए ४० हजार की रिश्वत मांगी गई . शिकायतकर्ता को उसके द्वारा किए गए कार्य का नगर पालिका से 47.11 लाख का बिल वसूलना था। इस बिल का भुगतान करने के लिए अठवा जोन के लाइट विभाग के जूनियर इलेक्ट्रिकल इंजीनियर परेश पटेल और मेंटेनेंस असिस्टेंट डेनिस बारडोलिया ने शिकायतकर्ता से 20-20 हजार रुपये की मांग की. शिकायतकर्ता से कुल 40,000 की मांग की गई थी. शिकायतकर्ता ने एंटिक्वेरियन ऑफशन ब्यूरो को पूरी घटना की जानकारी दी. एसीबी के जाल में फंस गए दिवाली से पहले निगम अधिकारी फंसते रहते हैं। एक साथ दो कर्मचारी एंटीकरप्शन ब्यूरो के हत्थे चढ़ने से निगम में हड़कंप मच गया है. स्वाभाविक है कि भ्रष्ट कर्मचारियों में भ्रम का माहौल है।

पार्षद भेंसनिया के बेटे दिव्येश ने लेबर कॉन्ट्रैक्टर पर चलाई गोली

पिता बोले- रिवॉल्वर चेक कर रहा था

हत्या के प्रयास का अपराध, रिवॉल्वर जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

जहांगीरपुरा-कोसाड वार्ड नंबर 1 के बीजेपी पार्षद अजीत ईश्वर पटेल (भेंसनिया) के बेटे दिव्येश ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से लेबर कॉन्ट्रैक्टर पर फायरिंग कर दी. हालांकि, गोली दीवार पर लगी. किसी ने 100 नंबर पर कॉल की तो पाल पुलिस पहुंची और दिव्येश से स्पीड रिवॉल्वर जब्त कर ली। पाल गौरवपथ आवास में रहने वाले श्रमिक ठेकेदार अल्पेश भाभोर ने शिकायत दर्ज की और पुलिस ने दिव्येश पटेल (निवासी, भेंसन गांव) के खिलाफ अत्याचार, हत्या का प्रयास, शस्त्र अधिनियम की धारा का मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया कि दिव्येश भेसन में ईश्वर कृपा अपार्टमेंट बना रहा है। बुधवार शाम को वह साइट पर निर्माण को लेकर अल्पेश से भिड़ गया। ठेकेदार को दिया गया काम पूरा करने के बाद, दिव्येश ने अतिरिक्त काम शेष रहते हुए एक राउंड फायरिंग की।

ई कॉमर्स उत्पाद पसंद करने की पार्ट टाइम नौकरी देकर सूरत के युवक से ठगी, राजस्थान में पुलिस ने पकड़ा

घर बैठे कमाने का ऑफर मिले तो सावधान रहें

युवक को नौकरी दिलाने का लालच देकर 5.95 लाख ट्रांसफर किए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के एक युवक को ई-कॉमर्स उत्पाद पसंद करने का अंशकालिक काम कर अच्छा रिटर्न दिलाने का लालच देकर उससे 5.95 लाख रुपये ऐंठ लिए गए। इस मामले में युवक ने साइबर क्राइम सेल में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने राजस्थान से दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया. इसके अलावा अलग-अलग बैंक खातों में 1,26,534 रुपये भी फ्रीज किये गये हैं. सूरत के रहने वाले एक युवक को मार्गाबाजो ने पार्ट टाइम जॉब देने की बात कही और एक लिंक भेजकर उसमें रजिस्ट्रेशन कराया. जिसमें युवाओं को लालच दिया गया कि ई-कॉमर्स प्रोडक्ट पसंद करने पर उन्हें अच्छा कमीशन मिलेगा। टास्क पूरा करने पर शुरुआत में युवक को 1,039 रुपये का कमीशन दिया गया। बाद में युवक को विश्वास में लेकर अलग-अलग काम दिए गए और उसके खाते में माइनस बैलेंस करा दिया गया। माइनस बैलेंस प्लस में करने के लिए युवक से 5.95 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कराए गए। हालांकि, पैसे वापस नहीं आए और जब युवक को पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है, तो उसने सूरत साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। जिसमें साइबर क्राइम पुलिस ने राजस्थान से 2 लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर 2 दिन का रिमांड हासिल किया है, साथ ही अलग-अलग बैंक खातों से 1,26,534 रुपये फ्रीज कराए हैं। इस घटना में राजस्थान के जोधपुर के मूल निवासी 21 वर्षीय राजकुमार सुरेश कुमार बिश्नोई और किराना व्यापारी राकेश इलम गोकलाराम बिश्नोई को गिरफ्तार किया गया है । साथ ही विभिन्न बैंक खातों से 1,26,534 रुपये भी फ्रीज कर दिये गये हैं. एसीपी युवराज गोहिल ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि अगर कोई अनजान व्यक्ति आपको सोशल मीडिया के माध्यम से घर बैठे अलग-अलग काम, मूवी रेटिंग, किसी प्रोडक्ट को पसंद करना या उसका रिव्यू करना जैसे काम निपटाकर मुनाफा कमाने का लालच देता है. इसलिए लोगों को सावधान रहना चाहिए ताकि वे इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार न हों। एसीपी युवराज गोहिल ने बताया कि शिकायतकर्ता को सोशल मीडिया के जरिए एक मैसेज मिला था . यदि आपको ई-कॉमर्स उत्पाद पसंद है, तो आप घर बैठे कमाई कर सकेंगे और इसके पंजीकरण के लिए आपको एक छोटी राशि का भुगतान करना होगा। जिसके अंतर्गत अलग-अलग कार्य दिए जाएंगे और कार्य को पूरा करके लाभ कमाया जाएगा। शिकायतकर्ता में विश्वास जगाने के लिए, शुरुआत में कमीशन के तौर पर 1,039 रुपये भी दिए गए. तो शिकायतकर्ता ने इस तरह के काम पर विश्वास कर लिया और अलग-अलग टुकड़ों में 5,95,976 रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए. जिन लोगों को पैसे वापस नहीं मिले उन्होंने सूरत सिटी साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई।

वेसू की पत्नी को पार्टटाइम नौकरी का लालच देकर 37.70 लाख ठगे, 13 पर मामला दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वेसु की पत्नी ने पार्ट टाइम नौकरी करते समय ठग गिरोह के ऑनलाइन जाल में फंसकर 37.70 लाख की रकम गंवा दी। 33 साल की एक महिला ने साइबर क्राइम में शिकायत दर्ज कराई है. इसलिए पुलिस ने सोशल मीडिया पर बात करने वालों समेत 13 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है. धोखाधड़ी की शिकार पीड़िता ने दर्ज कराई शिकायत में बताया कि 10 सितंबर को उसे सोशल मीडिया पर एक मैसेज मिला. जिसके सामने वाला ने अपनी पहचान रेड्डी के रूप में दी. फिर बताया कि मैं बेंगलुरु में मिस्टर रिक्विट-एचआर एक्जीक्यूटिव हूं, फिर कहा कि आप घर बैठे फोन या लैपटॉप से हमारी ग्लोबल मर्चेट कस्टम्स वेबसाइट पर फ्लाइट टिकट बुक करके काम कर सकते हैं, क्या आप यह काम करके पैसा कमाना चाहते हैं? तो महिला ने उसे हां कह दिया. फिर एक व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप बनाया गया. शुरुआत में वेबसाइट से 30 टिकट बुक कराकर कमीशन वैट में 1095 रुपये जमा कराए गए। इसलिए पहले तो भरोसा जगाने के लिए कमीशन दिया गया, फिर टुकड़े-टुकड़े करके 10 सितंबर से 21 सितंबर तक 8 अलग-अलग चार्ज के नाम पर 37.70 लाख की रकम वसूली गई. इसके बाद और रुपयों की मांग को लेकर मामला पुलिस तक पहुंच गया.

7800 करोड़ रुपये के अंतर्राष्ट्रीय सट्टेबाजी रैकेट में 4 और गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

इको सेल पुलिस ने सूरत के डिंडोली इलाके से यूक्रेन और दुबई से संचालित 7800 करोड़ के सबसे बड़े रैकेट का भंडाफोड़ कर चार और आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद दो दिन का रिमांड लिया और आज फिर से कोर्ट में पेश किया. खास बात यह है कि सबसे बड़े रैकेट का खुलासा पिछले 1 अक्टूबर को सूरत से हुआ था. जिसकी पूरे गुजरात और देश भर में खूब चर्चा हुई, फिर इन चारों गिरफ्तार आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. हालांकि, इको सेल में इतने बड़े सट्टे में पकड़े गए चारों आरोपियों के खिलाफ बिना किसी को पता चले कार्रवाई करने वाली पुलिस की कार्यप्रणाली पर कई सवाल भी उठे। इको सेल और एसओजी की टीम ने 1 अक्टूबर 2022 को टेक्सटाइल ऑफिस की आड़ में सबसे बड़े ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले का भंडाफोड़ किया था . शिव एंटरप्राइजेज नामक एक ऑनलाइन कपड़ा कार्यालय की आड़ में एक ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाला पकड़ा गया था।

मांडवी आश्रम स्कूल के टीचर ने चार लड़कियों से की छेड़छाड़

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले के मांडवी तालुक में एक आश्रम स्कूल के शिक्षक द्वारा चार लड़कियों के साथ शारीरिक उत्पीड़न किए जाने के तथ्य सामने आए हैं। एक लड़की के छोटे भाई ने शिक्षक के खिलाफ यह चौंकाने वाली बात सामने आने के बाद शिकायत दर्ज कराई है कि लंपत पिछले पांच महीने से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। जानकारी मिली है कि मांडवी पुलिस ने POCSO एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. सूरत तापी जिले के आदिवासी बच्चे मांडवी तालुका के भीतरी इलाके में स्थित एक आश्रम स्कूल में पढ़ते हैं। जिसमें हार्दिक सुधीरभाई पंड्या (निवासी महुवा, जिला भावनगर) स्कूल में अंग्रेजी विषय के शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। फिलहाल वह आश्रम स्कूल में रहते हैं. हार्दिक पंड्या पर पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक लड़की समेत कुल चार लड़कियों का शारीरिक शोषण करने का आरोप लगा है. इनमें से एक लड़की के छोटे भाई ने मांडवी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. जिसमें और उसका शारीरिक शोषण किया। उसने अपना हाथ अपनी छाती पर और अपने हाथ अपने पैरों पर फेरा। जिसकी जानकारी लड़की ने अपने मोबाइल से फोन कर अपने दादा-दादी को दी. इसके बाद वह उसे लेने आश्रम स्कूल पहुंचे। जहां पता चला कि अंग्रेजी विषय के शिक्षक हार्दिक सुधीरभाई पंड्या स्कूल के प्रिंसिपल से बातचीत कर रहे थे. जब प्रिंसिपल को पूरी बात पता चली तो उन्होंने बाकी लड़कियों को बुलाकर पूछताछ की तो ये बात भी सामने आ गई कि हार्दिक पंड्या ने बाकी तीन लड़कियों के साथ भी छेड़छाड़ की थी. इसलिए प्रिंसिपल ने तुरंत महिला हेल्पलाइन को सूचित किया और उनकी टीम आश्रम स्कूल पहुंची और पूरी सच्चाई जानने के बाद पुलिस स्टेशन पहुंची और नाबालिग लड़की की शिकायत के आधार पर पुलिस ने अध्याश शिक्षक हार्दिक पंड्या के खिलाफ मामला दर्ज किया। POCSO अधिनियम के साथ-साथ अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत जांच की गई। लड़की ने रोते हुए बताया कि मेरी बेटी की बेटी ने मुझे फोन किया, वह बहुत डरी हुई थी और उसने रोते हुए मुझसे बात की. उन्होंने मेरी पत्नी से, जो इस बारे में मुझसे बात नहीं कर सकी, फोन को स्वीकार पर रखने के लिए कहा। तो मेरी पत्नी ने पूछा कि क्या हुआ तुम क्यों रो रहे हो? क्या किसी ने तुम्हें मारा? पूछने पर लड़की ने रोते हुए बताया कि पिछले जून में एक दिन हमारे इंग्लिश टीचर उसे कमरे में ले गए और मेरे साथ मारपीट की. क्योंकि मैं डर गया था जो उस वक्तरिपोर्ट नहीं किया गया.' लेकिन अब मुझे डर है कि ये टीचर दोबारा मेरे साथ गलत हरकत करेगा. मैं घर आना चाहता हूँ. आश्रम स्कूल में जाकर हमने प्रिंसिपल से पूरी बात जानी. इस तरह की हरकत अन्य लड़कियों के साथ भी की गई है. इसलिए हमने शिकायत दर्ज की. लड़की का बयान लेने के बाद अपराध की जांच एससी/एसटी सेल को सौंपी गई . जिसके प्रभारी फिलहाल सूरत डिविजन के डीएसपी बीके वानर हैं जिन्होंने इस अपराध की जांच शुरूकर दी है. फिलहाल पीड़ित लड़की के साथ-साथ उसके परिजनों और कामांध शिक्षक द्वारा दुराचार की शिकार अन्य चार लड़कियों का भी बयान लेने की कोशिश की जा रही है. आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है. जांच अधिकारी डीवाईएसपी बीके वानर ने कहा कि लड़की के छोटे भाई की शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने जांच शुरूकर दी है. आरोपी हार्दिक पंड्या को गिरफ्तार कर लिया गया है. इसके अलावा शिकायत में जिस दूसरी बच्ची का जिक्र किया गया है, उसके बारे में भी आश्रम स्कूल के स्टाफ और पीड़िता का बयान जारी है.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे